संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -38 सोमवार 09 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

पीएम मोदी ने पादरी जॉर्ज जैकब कूवाकड को रोमन कैथोलिक चर्च का कार्डिनल बनाए जाने पर दी बधाई

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2024(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 51 वर्षीय पादरी जॉर्ज जैकब कूवाकड को पोप फ्रांसिस द्वारा कार्डिनल बनाए जाने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस संबंध में अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। अपने पोस्ट में उन्होंने कहा, यह भारत के लिए बड़े गर्व और खुशी की बात है। उन्होंने अपने पोस्ट में आगे कहा, पोप फ्रांसिस द्वारा जॉर्ज जैकब कूवाकाड को पवित्र रोमन कैथोलिक चर्च का कार्डिनल बनाए जाने पर प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा, महामहिम जॉर्ज कार्डिनल कूवाकाड ने प्रभु यीशु मसीह के प्रबल अनुयायी के रूप में अपना जीवन मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

राहुल नार्वेकर महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर होंगे

» आज 105 विधायको ने शपथ ली...

» सीएम फडणवीस से मिलकर डिप्टी स्पीकर का पद मांगा...

मुंबई,08 दिसम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन रविवार को 105 विधायकों ने शपथ ली। कई विधायकों ने ईव्हीएम के मुद्दे पर 7 दिसंबर को शपथ लेने से इनकार करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया था, जिसके बाद शपथ रोक दी गई थी।

आज कांग्रेस के नाना पटोले, विजय वडेट्टीवार और अमित देशमुख, एनसीपी-एस नेता जितेंद्र अव्हाड, शिवसेना यूबीटी के आदित्य ठाकरे ने सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होते ही शपथ ली।

इससे पहले शनिवार को 173 विधायकों ने शपथ ली थी। इनमें समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी और रईस शेख भी शामिल रहे। अब बाकी बचे 9 विधायक सोमवार को शपथ लेंगे।

इधर, राहुल नार्वेकर लगातार दूसरी बार विधानसभा के स्पीकर चुने गए। दरअसल, आज स्पीकर पद के लिए उनके अलावा किसी ने नामांकन नहीं भरा। ऐसे में कोलाबा सीट से विधायक नार्वेकर का निर्विरोध चुना गया।

2022 में एकनाथ शिंदे के शिवसेना से अलग होकर सीएम बनने के बाद राहुल नार्वेकर को ही स्पीकर बनाया गया था। तब शिवसेना ठाकरे गुट ने उन पर विधायकों की अयोग्यता पर फैसला देने में देर करने का आरोप लगाया था।

शपथ ग्रहण से पहले विपक्ष के नेताओं ने सीएम फडणवीस से मुलाकात की। ये सभी विधानसभा में डिप्टी स्पीकर के पद की मांग को लेकर पहुंचे थे।

शिंदे के 11 विधायक बनेंगे मंत्री

पुराने नेताओं की जगह 5 नए चेहरों पर लगी मुहर!

5 दिसंबर को महाराष्ट्र को अपना नया मुख्यमंत्री मिल गया. देवेंद्र फडणवीस ने प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली तो वहीं एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ग्रहण किया। उसके बाद से अब यह चर्चा तेज हो गई है कि महायुति के तीनों दल बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी में से किसे कितने और कौन-सा मंत्रालय मिलेगा। सूत्रों की मानें तो महाराष्ट्र कैबिनेट में बीजेपी को 22, शिंदे को 11 और एनसीपी के 10 मंत्री शपथ लेंगे। इस बीच नई जानकारी सामने आ रही है कि शिंदे ने अपने 11 मंत्रियों की लिस्ट तैयार कर ली है.

शिंदे जहां कुछ पुराने चेहरे की जगह नए चेहरे को कैबिनेट में शामिल कर सकते हैं। कई नामों पर मुहर लगने की भी जानकारी मिल रही है. शिवसेना 5 नए विधायकों पर भरोसा दिखा सकती है। जिन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा में शानदार प्रदर्शन किया है। फिलहाल, महायुति में मंत्रालयों के बीच बंटवारा चल रहा है। शिंदे कुछ मंत्रालय को लेकर अड़े हुए हैं।अब देखना यह होगा कि महाराष्ट्र कैबिनेट में शिवसेना के कितने विधायकों को जगह दी जाती है। इन नामों में उदय सामंत, विजय शिवतारे, संजय शिरसाट, तानाजी सावंत, दादा भुसे, गुलाबराव पाटिल, प्रताप सरनाईक, दीपक केसरकर, अर्जुन खोतकर का नाम सामने आ रहा है।

विपक्ष का राहुल से भरोसा उठा

» ममता या उद्धव को नेता बनाने की मांग

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2024(ए)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर अपना दावा ठोंका है। कांग्रेस इस दावे से असहज हो गई है लेकिन समाजवादी पार्टी और शरद पवार की एनसीपी ने ममता के नाम का समर्थन किया है। इस बीच पूर्व गवर्नर सत्यपाल मलिक ने भी अपनी राय व्यक्त की है। उनका कहना है कि अगर इंडिया गठबंधन के सभी दल ममता बनर्जी को अपने नेता के रूप में आगे लाते हैं, तो यह गठबंधन निश्चित रूप से सफल होगा।

उन्होंने ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे को इंडिया गठबंधन के लिए सबसे अच्छा नेता माना है। मलिक का यह बयान ने ममता बनर्जी को एक मजबूत और प्रभावशाली नेता के तौर पर पहचाना है। उनका यह यह बयान ऐसे समय में आया है जब इंडिया गठबंधन के विभिन्न दल अपने नेतृत्व और चुनावी रणनीतियों पर विचार कर रहे हैं। सत्यपाल मलिक ने ममता और उद्धव ठाकरे दोनों को इस गठबंधन के लिए उपयुक्त नेता बताया।

क्या बोले सत्यपाल मलिक

उन्होंने कहा, आज के समय में इंडिया गठबंधन के लिए सबसे मजबूत नेता कोई है तो वह ममता बनर्जी हैं। अगर इंडिया गठबंधन के सभी दल ममता बनर्जी को अपने नेता के रूप में आगे आने दें तो यकीनन इंडिया गठबंधन सफल होगा। इंडिया गठबंधन के लिए सबसे अच्छे नेता ममता और उद्धव हैं।'

मौका मिला तो संभालूंगी जिम्मेदारी

पश्चिम बंगाल की सीएम ने आगे कहा कि अगर वे यह नहीं कर सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं बस यही कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत है। यह पूछे जाने पर कि एक मजबूत भाजपा विरोधी ताकत के रूप में अपनी साख को देखते हुए वह गठबंधन का प्रभार क्यों नहीं ले रही हैं, बनर्जी ने कहा कि यदि अवसर दिया गया तो मैं इसका सुचारू संचालन सुनिश्चित करूंगी।

आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर भारी हथियारों से किया हमला,3 की मौत

कराची,08 दिसम्बर 2024(ए)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग आतंकी हमलों में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई है। पुलिस ने रविवार को इस बारे में जानकारी दी है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी सरदार रिंद ने बताया कि आतंकवादियों ने शनिवार को डुकी जिले में एक कोयला खदान के पास एक जांच चौकी पर हमला किया, जिसमें फ्रंटियर कोर के दो सैनिक मारे गए और तीन अन्य जवान घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने घंटों तक चले हमले के दौरान रॉकेट, ग्रेनेड और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रभावी तरीके से जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप कई हमलावर मारे गए और घायल भी हुए।हालांकि आतंकियों की सही संख्या की पुष्टि नहीं हो पाई है। ग्वादर के जिवानी कस्बे में एक अन्य हमले में आतंकवादियों ने पाकिस्तान तटरक्षक बल के गश्ती दल को दरान इलाके में एक लाइटहाउस के पास इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निशाना बनाया। पुलिस ने बताया कि इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई।

तकनीकी शिक्षा के दो दर्जन कोर्सों में एक लाख सीटें रह गई खाली

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बंद हुई डीटीई की प्रवेश प्रक्रिया

भोपाल,08 दिसम्बर 2024(ए)। तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) द्वारा कॉलेजों में संचालित 26 कोर्सों में एडमिशन के लिए कराई गई काउंसलिंग खत्म हो गई है। विभाग के पास सभी कोर्स में 2 लाख 60 हजार सीटें हैं। इनमें से करीब डेढ़ लाख सीटों पर ही प्रवेश हुए हैं, जबकि करीब 1.10 लाख सीटें खाली हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद डीटीई के फार्मेसी कोर्स में 30 नवंबर तक प्रवेश कराना थे। विभाग ने दो राउंड की काउंसलिंग और दो सीएलसी कराकर 24 हजार सीटों पर प्रवेश करा लिया है।

अन्य कोर्स की काउंसलिंग अक्टूबर में ही खत्म हो गई थी।विभाग ने सिर्फ फार्मेसी कोर्स के लिए पृथक से काउंसलिंग कराई है। इसमें बी फार्मेसी में जमकर प्रवेश हुए हैं। 30 हजार सीटों में से विभाग के पास छह हजार सीटें रिक्त रह गई हैं। बीफार्मा में करीब एक हजार सीटें ही खाली रहीं, जबकि डीफार्मा में पांच हजार सीटें खाली हैं। अब विभाग उक्त रिक्त सीटों पर दोबारा से प्रवेश नहीं करा सकता है।

अब सिर्फ 50 मिनट में तय करें 250 किमी की दूरी

» भारत का पहला हाइपरलूप टेस्ट ट्रैक तैयार

नई दिल्ली,08 दिसम्बर 2024(ए)। भारत ने परिवहन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। भारतीय रेलवे और आईआईटी मद्रास के संयुक्त प्रयास से देश का पहला हाइपरलूप टेस्ट ट्रैक तैयार कर लिया गया है। यह अत्याधुनिक हाई-स्पीड परिवहन प्रणाली न केवल समय की बचत करेगी बल्कि देश के विकास को नई रफ्तार भी देगी।

दिल्ली-जयपुर यात्रा मात्र 50 मिनट में

हाइपरलूप तकनीक के जरिए 250 किमी की दूरी को मात्र 50 मिनट में तय किया जा सकेगा। टेस्ट रन के दौरान ट्रेन ने 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ी। जल्द ही इसे 600 किमी प्रति घंटे और फिर 1000 किमी प्रति घंटे तक टेस्ट किया जाएगा। यह परियोजना दिल्ली-जयपुर और मुंबई-पुणे जैसे प्रमुख मार्गों पर समय बचाने में क्रांति लाने की तैयारी कर रही है।

रेल मंत्री की घोषणा

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रोजेक्ट का वीडियो साझा करते हुए इसे देश के परिवहन क्षेत्र में ÷गेम चेंजर÷ बताया। यह हाइपरलूप ट्रैक चेन्नई के पास आईआईटी मद्रास के थायूर डिस्कवरी कैंपस में बनाया गया है, जिसकी कुल लंबाई 410 मीटर है। यह तकनीक वैश्विक मानकों पर खरी उतरने की दिशा में पहला कदम है।

मुंबई-पुणे: 25 मिनट में सफर

हाइपरलूप परियोजना का पहला चरण मुंबई और पुणे के बीच लागू किया जाएगा। इस 150 किमी की दूरी को अब मात्र 25 मिनट में तय किया जा सकेगा। यदि यह प्रोजेक्ट सफल रहता है, तो इसे देश के अन्य शहरों जैसे बेंगलुरु-चेन्नई और दिल्ली-चंडीगढ़ के बीच भी लागू किया जाएगा।

दो पुलिसकर्मियों ने एके-47 से एक दूसरे को भूना

बंद वैन में मिली लाशें

जम्मू-कश्मीर,08दिसम्बर 2024 (ए)। जम्मू-कश्मीर से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में दो पुलिसकर्मियों की लाश मिली है। दोनों पुलिसकर्मियों के शरीर पर एके-47 की गोली लगी हुई है। रविवार (8 दिसंबर) सुबह तकरीबन 6:30 बजे सूचना मिली कि सोपोर में 2 पुलिसकर्मियों में शव मौजूद हैं। उनकी गाड़ी पर गोलियों के निशाना देखे जा सकते हैं। दोनों की डेड बॉडी वैन में मिली है। अधिकारियों ने संदेह जताया कि हो सकता है कि दोनों पुलिसकर्मियों ने एक दूसरे पर गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को देखते हुए जांच कर रही है।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा और शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि शुरूआती रिपोर्ट से पता चला है कि दोनों पुलिसकर्मियों की मौत एक-दूसरे पर गोलियां चलाने के वजह से हुई है। बताया जाता है कि दोनों पुलिसकर्मी सोपोर से हैं।

एसएसपी उधमपुर आमोद नागपुरे ने कहा, घटना सुबह 6.30 बजे हुई। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। शुरुआती जांच के अनुसार, यह साबित हो गया है कि घटना में एके-47 राइफल का इस्तेमाल किया गया था। दो पुलिस कर्मियों की मौत हो गई है। तीसरा पुलिस कर्मी सुरक्षित है। उन्हें पोस्टमॉर्टम और अन्य प्रक्रियाओं के लिए जीएमसी उधमपुर ले जाया जाएगा।

उधमपुर एसएसपी ने कहा कि उधमपुर जिले के रहमबल इलाके में आपसी झगड़े और आत्महत्या की घटना में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिसकर्मी विभाग के वाहन में सवार होकर एसटीसी तलवारा की ओर सोपोर जा रहे थे और गोलीबारी में गोली लगने से घायल हो गए। घटना के पीछे की सच्चाई का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

काली माता मंदिर के पास घटी घटना

पुलिस अधिकारियों की मानें तो रविवार की सुबह तकरीबन 6¬30 बजे जिला मुख्यालय में फोन आया। जिससे पता चला कि काली माता मंदिर के पास एक पुलिस वैन खड़ी है। वैन में 2 पुलिसकर्मियों के शव मौजूद हैं। दोनों की गोली लगने की वजह से जान चली गई है। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला साफ होगा।

वेज की जगह परोस दिया नॉनवेज...

» यह सुनते ही परिवार भड़का,मचा हड़कंप

मेरठ,08 दिसम्बर 2024 (ए)। उत्तर प्रदेश के मेरठ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में रेस्टोरेंट स्टाफ और शेफ खड़े दिखाई दे रहे हैं। एक परिवार उन पर भड़क रहा है। इसके साथ ही आरोप लगाते हुए कह रहा है कि उनको शाकाहारी (वेज फूड) खाने की जगह जानबूझकर मांसाहारी खान (नॉनवेज फूड) खिला दिया गया है। उन्होंने वेज खाना ऑॅर्डर किया था लेकिन नॉवेज परोस दिया गया। इससे उन सभी का धर्म भ्रष्ट हो गया है।

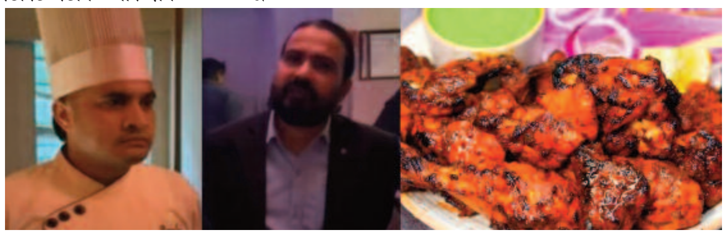

इस वीडियो में रेस्टोरेंट का मैनेजर और स्टाफ अपनी गलती मानते हुए नजर आ रहे हैं। वो कह रहे हैं कि उनसे गलती हुई है। दूसरे टेबल ऑॅर्डर उन्होंने गलती उनको दे दिया था। मेरठ के गंगानगर स्थित रोमियो लेने रेस्टोरेंट में हुई एक बिजनेसमैन फैमिली के साथ ये घटना घटी है। आरोप है कि मुस्लिम वेटर ने जानबूझकर ऐसा किया है। हंगामे के दौरान वेटर द्वारा माफी मांगने पर मामला फौरी तौर पर शांत तो हो गया, लेकिन पुलिस जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक, बागपत निवासी अमित सिंघल और सुशांत सिटी निवासी सनी अग्रवाल ने रोमियो लेने का आउटलेट लिया हुआ है, जो कि गंगानगर में स्थित है। शनिवार को यहां एक परिवार पहुंचा। उसने वेज खाने का आर्डर दिया। लेकिन वेटर ने उन्हें नॉनवेज परोस दिया। परिवार के लोगों ने खाना खा भी लिया। लेकिन जब बिल आया, तो उन्हें पता चला कि उन लोगों ने चिकन खा लिया है। इसके बाद सभी लोग भड़क उठे। हंगामा करने लगे। आउटलेट कर्मचारियों ने बताया कि गलती से किसी अन्य का ऑॅर्डर उसे परिवार को चला गया था। काफी देर तक बहस के बाद वेटर और अन्य स्टाफ ने परिजनों से माफी मांगी। वीडियो संज्ञान में आने के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच की बात कह रही है। पुलिस का कहना है कि ये घटना 6 तारीख की बताई जा रही है। वीडियो संज्ञान में आने के बाद इस मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर इस मामले कार्रवाही होगी।

स्कूली बस दुर्घटनाग्रस्त,3 बच्चों की मौत

25 से अधिक घायल

राजसमंद,08 दिसम्बर 2024 (ए)। राजस्थान के राजसमंद में रविवार की सुबह भीषण सड़क हादसे में तीन बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि करीब 25 से अधिक अन्य घायल हो गए। पूरी घटना राजसमंद जिले के चारभुजा थाना क्षेत्र के अंतर्गत देसूरी की नाल की है। यहां पर चारभुजा मंदिर से दर्शन करके परशुराम महादेव जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गई, जिससे तीन बच्चों की मौत हो गई। वहीं, करीब 25 से अधिक घायल हो गए। मृतक बच्चों के परिवार के सदस्य सदमे में हैं। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की सूचना पाकर मौके पर राजसमंद एसपी समेत कई आला अधिकारी पहुंचे। उन्होंने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया। हादसे में जान गंवाने वाले पीड़ति बच्चे आमेट क्षेत्र की राझेटी पंचायत के सरकारी स्कूल के विद्यार्थी थे। बताया जा रहा है कि बस में करीब 65 बच्चे सवार थे। हादसे में विद्यालय के प्रधानाचार्य और एक शिक्षक को भी चोटें आई हैं। चारभुजा थाना पुलिस ने तीनों बच्चों के शव को सीएससी की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं, अन्य घायल हुए बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। गंभीर रूप से घायल हुए बच्चों को राजसमंद जिला आर के चिकित्सालय रेफर किया गया है। राजसमंद से विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

संपादकीय

दंडित करने का मकसद

ट्रंप ने प्रस्तावित व्यापार युद्ध का पहला गोला दागा है। इससे दुनिया को संदेश दिया है कि उनका प्रशासन किसी समझौते का ख्याल नहीं करेगा। भारत और यूरोप इसके असर से फिलहाल बच गए हैं, लेकिन लंबे समय तक वे शायद ही बच पाएं। डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिका का राष्ट्रपति पद संभालने के 56 दिन पहले ही अपने तीन प्रमुख व्यापार सहयोगी देशों के खिलाफ आयात शुल्क में भारी बढ़ोतरी का एलान कर दिया है। इसके तहत 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद संभालते ही वे कनाडा और मेक्सिको से अमेरिका में आने वाली वस्तुओं पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया जाएगा। चीन से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगेगा। चीन से होने वाले आयात पर पहले ही अलग-अलग, लेकिन ऊंची दरों से आयात शुल्क लगाया जा चुका है। कनाडा और मेक्सिको के साथ अमेरिका का मुक्त व्यापार समझौता है। जाहिर है, इस घोषणा के जरिए ट्रंप ने दुनिया को यह संदेश भी दिया है कि उनका प्रशासन किसी समझौते का ख्याल नहीं करेगा।इस तरह उन्होंने प्रस्तावित व्यापार युद्ध का पहला गोला दागा है। भारत और यूरोपीय देश इसके असर से फिलहाल बच गए हैं, लेकिन लंबे समय तक वे बच पाएंगे, इसकी संभावना कम ही है। राष्ट्रपति चुनाव अभियान दौरान ट्रंप ने इन देशों के खिलाफ भी आयात शुल्क लगाने का इरादा जताया था। उसके मुताबिक भारत से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगेगा। ट्रंप की इस घोषणा ने अमेरिकी कारोबार जगत में उथल-पुथल मचा दी है। मंगलवार को यह एलान होते ही शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी गई। उधर कारोबार से जुड़ी संस्थाओं ने दो-टूक कहा कि इस कदम के परिणामस्वरूप अमेरिका में महंगाई तेजी से बढ़ेगी, उद्योगों की लागत बढ़ जाएगी जिससे अमेरिकी निर्यात भी महंगे हो जाएंगे।उधर चीन, मेक्सिको और कनाडा ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। यानी वे भी अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाएंगे। नतीजा होगा कि उन बड़े बाजारों में अमेरिकी निर्यात और महंगे हो जाएंगे, जिससे वहां अमेरिकी कंपनियों का हिस्सा घटना तय है। आम समझ है कि व्यापार चक्र को इस तरह पलटना किसी के फायदे में नहीं है। ट्रंप ने कहा है कि उपरोक्त तीनों देश मादक पदार्थ और अपराधियों को अमेरिका भेज रहे हैं, इसलिए उन्हें दंडित करने के मकसद से उन्होंने ये कदम उठाया है। मगर ये बात शायद ही किसी के गले उतरेगी।

बलिदान दिवस विशेष

छत्तीसगढ़ का सपूत शहीद वीर नारायण सिंह

मदन मंडावी
द्वारा, डोंगरगढ़,छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे भारत देश के मध्य प्रांत की धरा विरासत, रियासत, सियासत की रही है। मुगलों से लेकर ब्रिटिश शासन काल तक इस वीरता की धरा ने विदेशियों को खदेड़ते हुए, ईट का जवाब पत्थर से देने में कामयाब हुआ हैं। इतिहास सदैव वर्तमान का बाप होता है जब अपना खुद का पता ना हो तो बाप की ओर जाना पड़ता है। 36गढ़ किल्लों से बना छत्तीसगढ़ भी स्वतंत्रता संग्राम में अपनी अहम भूमिका रखता है। इस धान के कटोरा कहे जाने वाले भू- भाग पर छत्तीसगढ़ के पहले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद वीर नारायण सिंह बिंझवार गोंड का जन्म 1795 में सोनाखान (बलौदाबाजार)के एक जमींदार परिवार में हुआ था।प्त पिता का नाम रामराय और माता सिंगारानी थी। सोनाखान रियासत जो आज छत्तीसगढ़ में स्थित है जो गोंडवाना के 52 गढ़ों में एक लाफ़ागढ़ के अंतर्गत आती थी । रतनपुर और सोनाखान मंडला गोंड राजाओं के महत्वपूर्ण गढ़ थे । सोनाखान का प्राचीन नाम सिंधगढ़ जो अपनी समृद्धि और वैभव संपदा के लिए काफी मशहूर था । महाराज संग्राम शाह के ही संबंधी विरसैया ठाकुर वहां के राजा थे जो कल्चुरियों को हराकर गोंडवाना की सत्ता स्थापित किए थे । विरसैया के बेटे रामराय और रामराय के बेटे वीर नारायण सिंह थे।

सन 1818 में जब भोंसले शासकों और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच संधि हुई तो अंग्रेजों ने राजा रामराय से कर वसूलना चाहा जो उस रियासत की परंपरा के अनुरूप नहीं था क्योंकि गोंड शासको ने कभी किसी को कर नहीं दिया था। सन 1819 में सोना खान की जमींदार रामराय अंग्रेजों के विरुद्ध हो गए और अंग्रेजों के लिए मुसीबत बन पड़ा। किंतु वृद्धावस्था और कमजोर सैनिक बल के कारण लंबे समय तक मुकाबला नहीं कर सके। अंग्रेजों से पराजय हुई जमीन और बड़ी संपत्ति छीन लिए गए।

अंग्रेज कैप्टन मैक्सन से कोईतूर जमींदार रामराय यह शर्त भी स्वीकार कर लिया था कि आज के बाद अंग्रेजों से विद्रोह नहीं करेंगे । पिता रामराय की मृत्यु के पश्चात सोनाखान रियासत की जिम्मेदारी बेटे वीर नारायण सिंह को मिली । सन 1830 में 35 वर्ष की आयु में उन्होंने सोनाखान की जमींदारी की बागडोर संभाली। एक कुशल सुशासक प्रजा हितकारी होने के कारण जल्द ही अपने क्षेत्रों में बहुत प्रसिद्ध हो गए थे । उनके दिल में अंग्रेजों के प्रति काफी नफरत पैदा हो गई थी क्योंकि उसने अपने पिता को मजबूरी में पराजय स्वीकारते देखा था।

वे बचपन से ही खेलकूद तीरंदाजी, तलवारबाजी, बंदूक ,घुड़सवारी और तैराकी में रुचि रखते थे। न्यायप्रिय ,कर्मठ वीरनारायण सिंह छोटे से छोटे कृषक ,मजदूर वर्ग के सुख-दुख में शामिल हो जाते थे । वे क्षेत्र में गरीबों के मसीहा के रूप में जाने जाते थे । 1856 में अकाल पड़ने पर उन्होंने लालची अंग्रेज समर्थक व्यापारी के गोदाम पर अपने सैनिकों के साथ हमला किया और अनाज को सभी जरूरतमंद गरीबों में बांट दिया ।इस बात को लेकर अंग्रेज बहुत क्रोधित हो गए और एक व्यापारी के अनाज लूटने के आरोप में अंग्रेज हुक्मरानों ने उन्हें षडयंत्र पूर्वक गिरफ्तार कर लिया ।अंग्रेज उनसे काफी भयभीत रहते थे। वीरनारायण सिंह को न्यायालय में पेश कर उन्हें फांसी की सजा सुनाया गया। जेल परिसर में उन्हें 6 दिनों तक फांसी पर लटकाए रखा फिर भी अंग्रेजों का जी नहीं भरा तो सातवें दिन 10 दिसंबर 1857 को रायपुर जय स्तंभ चौक में तोप से उड़ा दिया गया।

आज भी उनके वंशज सोनाखान(बलौदाबाजार)में निवास करते हैं। वीरनारायण सिंह के सम्मान में भारत सरकार ने सन 1987 में 60 पैसे का डाक टिकट जारी किया था । उनके नाम से आज शहीद वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम रायपुर में है।

एक विचार जो लोगों के जहन में आता है कि, *छत्तीसगढ़ का प्रथम शहीद ठाकुर गैंदसिंह या वीर नारायण सिंह ?* इस विषय पर जानकारी मिलता है कि परलकोट (बस्तर) की जमींदार गैंदसिंह हल्बा था। परलकोट विद्रोह 1824 में हुआ था और इसका नेतृत्व जमींदार गैंदसिंह ने किया था। इनका विद्रोह अंग्रेज और मराठों की जंगल विरोधी नीतियों से था ब्रिटिश प्रशासक मिस्टर एग्न्यू ने अपने सैन्य बल के साथ 10 फरवरी 1825 को परलकोट को घेर कर गैंदसिंह ठाकुर को बंदी बना लिया और 20 जनवरी 1825 को परलकोट में उन्हें फांसी दे दी गई ,और इसी के साथ परलकोट विद्रोह हमेशा के लिए दमन कर दिया गया । गैंदसिंह के शहीद होने के बाद यह युद्ध पूर्ण रूप से विराम ले चुका था।

लोग देश कैसे आजाद हुआ पढ़ते हैं गुलाम कैसे हुए नहीं पढ़ते ।÷ गुलाम होने का प्रमुख कारण यह था कि, कुछ राजा ,महाराजा, जमींदार अंग्रेजों के पक्षधर थे या तो वे गुलाम हो गए थे। तो वही वतन प्रेमी ,देशभक्त राजा ,जमींदार अंग्रेजों की बम - बारूद, बंदूक ,तोप से लड़ रहे थे । यही वजह रही कि देश को आजाद होने में 200 वर्ष लग गए। छत्तीसगढ़ प्रांत में राजनीतिक चेतना प्रारंभ करने का श्रेय जनजातियों को जाता है जनजाति नायकों ने ही अपनी कुशल नेतृत्व से छत्तीसगढ़ के लोगों को क्रांति के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मध्य भारत के आदिवासियों ने देश की आजादी में अपना सर्वस्व योगदान दिया ।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य शमिका रवि के हालिया रिसर्च पेपर में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के संबंध में तथ्यों पर आधारित सारगर्भित बातें बताने के साथ-साथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं। यह भी कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है। किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी, दो अलग-अलग मुद्दे हैं।श्रम की भागीदारी में 18-59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं, जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 40 वर्षों के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं। वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72-73 प्रतिशत के बीच रही है। बांग्लादेश में यह 60 प्रतिशत से अधिक रही है परंतु भारत में 5 वर्ष पूर्व तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढ़कर 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है। दूसरे, बेरोजगारी से आश्य ऐसे नागरिकों से है, जो रोजगार तलाश रहे हैं, लेकिन रोजगार मिल नहीं रहा। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा-बहुत परिवर्तन होता रहता है परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं, तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर 0.9-1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है।आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं। इसलिए देश में रोजगार के नये अवसर निर्मित करने के लिए व्यवसाय को बढ़ाना होगा, विकास को बढ़ाना होगा। केवल केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकतीं। इस हेतु, निजी क्षेत्र को आगे आना होगा। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के संस्थानों के रोजगार के अवसर निर्मित करने की कुछ सीमाएं हैं।आज भारत में 30 वर्ष के अंदर की उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर 12 प्रतिशत है, जबकि देश में कुल बेरोजगारी की दर 3.1 प्रतिशत है। अत~ युवाओं में बेरोजगारी की दर अधिक दिखाई देती है। युवाओं में कौशल का अभाव है। इसलिए केंद्र सरकार विशेष कार्यक्रम लागू कर युवाओं में कौशल विकसित का प्रयास कर रही है। विशेष रूप से युवाओं के लिए कहा जा रहा है कि वे 30 वर्ष की उम्र तक काम करना ही नहीं चाहते क्योंकि इस उम्र तक वे रोजगार के अच्छे अवसर ही तलाशते रहते हैं। 30 वर्ष की उम्र के बाद वे दबाव में आने लगते हैं एवं फिर जो भी रोजगार अवसर मिलता है, उसे स्वीकार कर लेते हैं।इसलिए 30 वर्ष से अधिक की उम्र के नागरिकों के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है। यह स्थिति हाल के समय में अन्य देशों में भी देखी जा रही है। युवाओं की अपनी नजर में सही रोजगार के अवसर के लिए वे इंतजार करते रहते हैं, अथवा अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं। आज विशेष रूप से भारत में रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है।

-प्रह्लाद सबनानी-

अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस आज विशेष

भ्रष्टाचार का दंश झेल कर संघर्षमय जीवन जीने को मजबूर

डॉ. प्रितम भि.गेडाम
मुंबई महाराष्ट्र

भ्रष्टाचार एक ऐसा अभिशाप है, जो देश के विकास में बाधा डालता है और विषमता, अन्याय, अशांति, गरीबी, बेरोजगारी, अपराध, कमजोर शासन प्रणाली आदि जैसी अनेक समस्याओं को बढ़ावा देता है। इससे सबसे बड़ा नुकसान गरीब तबके और काबिल लोगों को होता है, क्योंकि उन्हें बेहतर जीवनमान तक पहुंचने का अवसर नहीं मिलता, उनके हिस्से का लाभ किसी अन्य को अनुचित तरीके से चले जाता है। हम सभी भी अपने जीवन में बहुत से कामों के लिए भ्रष्टाचार का शिकार होते है या हुये है। शायद ही कोई दिन हो जब भ्रष्टाचार संबंधित खबर देखने-सुनने न मिले। प्रत्येक विभाग या क्षेत्र में कार्यरत अनेक कर्मचारियों को पता होता है की उनके यहाँ कहा पर अनुचित व्यवहार होता है, लेकिन इसके खिलाफ आवाज़ नहीं उठाते, लालच या फिर डर के कारण जैसा चल रहा है, उस हिसाब से चलने देते है। भ्रष्टाचार ने असंख्य जिंदगियां बर्बाद कर दी हैं, पीड़ित परिवार के कई पीढ़ियों को इस भ्रष्टाचार के दंश की सजा भुगतनी पड़ती हैं। सिफ़ारिश, राजनीतिक हस्तक्षेप, दबाव, सत्ता या पद का दुरुपयोग भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है। भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2023 में भारत 180 देशों में से स्कोर 39 के साथ 93वें स्थान पर है, जो 2022 में 40 स्कोर के साथ 85वें स्थान पर था। मतलब 2023 में गिरावट दर्ज हुयी।

महाराष्ट्र राज्य के नागपुर शहर में स्थित राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर भर्ती के लिए हर पद हेतु 50 से 80 लाख रुपये की रिश्वत लेने की खबर दैनिक भास्कर हिंदी समाचारपत्र ने 15 अगस्त 2024 को अपने प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित की थी। आज भी हम इस अखबार की वेबसाइट पर जाकर इस खबर को ऑनलाइन पढ़ सकते हैं, यह पहली बार नहीं है, जब राज्य में पद भर्ती के नाम पर पैसो की मांग हुयी है, ऐसी खबरें पहले भी प्रसारित हो चुकी हैं, महाविद्यालय में पद भर्ती की इस समस्या के बारे में कई कुलपतियों और संबंधित विभागों, मंत्रियों को सूचित करने के बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। कुछ दिन पहले खबर प्रकाशित हुयी थीं कि महाराष्ट्र के संभाजी नगर में एक महिला प्रोफेसर ने पीएचडी शोध छात्र से 5 लाख रुपये की रिश्वत तय कर पहली किस्त की रकम लेते हुए पकड़ी गयी थी। ऐसी हजारों घटनाएं होती हैं, लेकिन समाज के सामने उजागर बहुत कम होती हैं। अनेक विभागों में भ्रष्टाचार दबे पांव अपना काम करते रहता है। फिलहाल पदभरती की राह में महाराष्ट्र राज्य के अकृषी विश्वविद्यालयों में 1200 और महाविद्यालयों में 11000 स्वीकृत पद रिक्त हैं। भ्रष्टाचार की समस्या का अनुभव जानने के लिए उस क्षेत्र में अपना काम करवाने जब हम उम्मीदवार बन कर जाते है, तब आसानी से हमें अनुचित व्यवहार की जानकारी मिलती है। क्या करें, यदि कोई व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपने जीवन का बहुमूल्य समय, पैसा और उम्र खर्च कर दें, यानी अपनी योग्यता साबित करने के बावजूद नौकरी पाने के लिए उसे रिश्वत देनी पड़े? ऐसी स्थिति में गरीब और ईमानदार का पढ़ना-लिखना तो गुनाह हो जाएगा? देश में आर्थिक असमानता की खाई अधिक गहरी हो गई है, अमीर अधिक अमीर और गरीब का संघर्ष तो खत्म ही नहीं हो रहा है। अनेक उच्च शिक्षा पदवी विभूषित काबिल बेरोजगार जीवनयापन के लिए जो

बन पड़े, मतलब मजदूरी तक करके दिन काट रहे है। वैश्विक असमानता डेटाबेस के अनुसार 2014-15 और 2022-23 के बीच, धन संकेंद्रण के मामले में शीर्ष-अंत असमानता में वृद्धि हुई है। 2022-23 तक, शीर्ष 1 प्रतिशत की आय और धन शेयर (22.6 प्रतिशत और 40.1प्रतिशत) अपने उच्चतम ऐतिहासिक स्तर पर है और भारत की शीर्ष 1 प्रतिशत आय हिस्सेदारी दुनिया में सबसे अधिक है, यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और अमेरिका से भी अधिक है।

अक्सर बोला जाता है कि अकेले इस सिस्टम से नहीं लड़ सकते, रिश्वत देने से मना करने पर हमसे ज्यादा रिश्वत देने के लिए दूसरा तैयार ही है। एक ईमानदार से सौ बेईमानों को कोई फर्क नहीं पड़ता है। बड़े-बड़े उद्योगपति हजारों करोड़ का कर्ज लेकर विदेश भाग जाते है और यहां गरीब कर्ज चुकाने के लिए संघर्ष करते रहता है। बहुत बार तय कालावधि में सरकारी काम पूरे नहीं होते, सरकार बदल जाती है लेकिन कई बार काम अधूरे के अधूरे, पहली बरसात में ही सड़क पर पानी भर जाता है, गड्ढे पड़ जाते, तो कही पुल बनते ही ढह जाते है। दूर दराज और ग्रामीण क्षेत्रों में तो समस्याएं अधिक विकराल रूप धारण कर लेती है। सरकारी अधिकारियों, निविदा या संविदा पर कार्य करने वाले कर्मचारियों की लापरवाही के वजह से भी बहुत बार दुर्घटनाएं होती है, बड़ी संख्या में जान-माल का नुकसान होता हैं। कानून सभी नागरिकों के लिए समान है फिर भी धनवान, रसूखदार, दबंगों की तुलना में गरीब सज्जन व ईमानदार लोग कानून से ज्यादा डरते है। चुनाव के वक्त नेताओं के वादे हमें 5 साल याद रहते हैं, लेकिन वो हमें भूल जाते है। परंतु ऐसा कहने भर से हमारी जिम्मेदारी या जिंदगी खत्म नहीं हो जाती, देश में भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाने की जरुरत है। हर सरकारी कार्य में पारदर्शिता, विश्वसनीयता, जिम्मेदारी और समय की कीमत का योग्य आकलन बेहद आवश्यक है।

नेता या अधिकारी जितने बड़े पदों पर विराजमान होते है, वे जनता के प्रति उतने ही जिम्मेदार और उत्तरदायी होते है, परंतु आम इंसान की कभी हिम्मत नहीं होती कि उन्हें काम के बारे में जवाब माँगा जायें। अमेरिका का राष्टपति पद से मुक्त होने के बाद दूसरे ही दिन से आम लोगों की तरह सामान्य जीवनयापन करता है, लोग भी उनसे सामान्य व्यवहार करते हैं, परन्तु हमारे देश में एक बार बना पार्षद भी आजीवन उसी रुतबे में जीवन जीते हुए नजर आता है। हमारे देश में बड़ी संख्या में विधायक और सांसद करोड़पति है और जनकल्याण हेतु लोगों की निस्वार्थभाव से सेवा करने के लिए चुनाव में चुनकर आने के लिए पानी की तरह पैसा बहा देते हैं। हाल ही समाचारपत्र में खबर पढ़ी थी, कि अभी महाराष्ट्र राज्य में विधानसभा के लिए चुनाव हुए, जिसमें अनेक उम्मीदवारों द्वारा चुनाव में किये गए खर्च और चुनाव आयोग को दिए गए खर्च ब्योरें में काफी अंतर नजर आ रहा है।

भ्रष्टाचार को मिटाना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है, जागरूकता और हिम्मत से हम इस समस्या को खत्म कर सकते है। देश के हर राज्य में राज्य सरकार का भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग है, जिसकी हम भ्रष्टाचार संबंधित समस्या होने पर सहायता ले सकते हैं। ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते है, टोल फ्री क्रमांक पर संपर्क कर सकते है, ईमेल भेज सकते है, व्हाट्सअप नंबर पर भी जुड़ सकते है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र राज्य सरकार के भ्रष्टाचार प्रतिबंधक विभाग में शिकायत दर्ज करने के लिए 1064 टोल फ्री क्रमांक या व्हाट्सएप +91 9930997700 या ईमेल acbweb-mail@mahapolice.gov.in या इनकी वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत https://www.acbmaharashtra.gov.in/bribe-complaint लिंक पर क्लिक करके जागरूकता फैला सकते हैं। अपने निजी स्वार्थ के लिए दूसरे का हक छीन कर नहीं, बल्कि ईमानदारी और स्वाभिमान के साथ समाधानी जीवन जीना ही इंसानियत हैं। प्रण लीजिए कि भले ही थोड़ी तकलीफ हो जाये, लेकिन सरकारी नीतिनियमों, कानून का पालन करेंगे और ना कभी भ्रष्टाचार करेंगे ना सहेंगे।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कविता

भोले की छवि

घटती-घटना

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी
गांधीनगर इंदौर मध्यप्रदेश

भोले के दरश पाकर,
मन की कली खिल गई,
भोले -भोले कहते हैं,
प्रेम गली मिल गई।
भोले के दरश ....
नील गगन के तले,
जो बदली थी गुजर गई,
भोले की छवि देख,
प्रेम में पिघल गई।
भोले के दरश ....
किरणें थी चमक रहीं,
ओस से दमक रहीं,
भोले के अंतर में,
आग-सी दहक रहीं।
भोले के दरश ....
अलसाया प्रेम था,
धनिए-सा महक रहा,
भोले की भक्ति में,
दिल मेरा धड़क रहा।
भोले के दरश ...
आओ जन सारे मिल,
भोले को साथ लें,
सुख-दुख मिलें जो भी,
मिलकर सारे बांट लें।
भोले के दरश ....

बैन ड्रग्स के लिए युवाओं में बढ़ती तलब

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

हाल ही में, एक जांच से पता चला है कि नशीली दवाओं की लत की महामारी, जो ज्यादातर युवा पुरुषों को प्रभावित कर रही है, पूरे भारत में फैल रही है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग भारत में एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक और स्वास्थ्य मुद्दा है। भारत की विविध आबादी, बड़ी युवा जनसांख्यिकी और आर्थिक असमानताएँ देश में नशीली दवाओं के दुरुपयोग की जटिल प्रकृति में योगदान करती हैं। सांस्कृतिक मूल्यों को बदलना, आर्थिक तनाव में वृद्धि और सहायक सम्बंधों में कमी से पदार्थ का उपयोग शुरू हो रहा है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार 10 से 75 वर्ष की आयु के 16 करोड़ लोग (14.6 प्रतिशत) शराब के वर्तमान उपयोगकर्ता हैं और उनमें से 5.2 प्रतिशत शराब पर निर्भर हैं। लगभग 3.1 करोड़ व्यक्ति (2.8 प्रतिशत) भांग उपयोगकर्ता हैं और 72 लाख (0.66 प्रतिशत) लोग भांग की समस्या से पीड़ित हैं 7 प्रतिशत बच्चे और किशोर इनहेलेंट का इस्तेमाल करते हैं, जबकि वयस्कों में यह दर 0.58 प्रतिशत है। लगभग 18 लाख बच्चों को इनहेलेंट के इस्तेमाल के लिए मदद की ज़रूरत है। अनुमान है कि लगभग 8.5 लाख लोग इंजेक्शन के ज़रिए ड्रग्स ले रहे हैं। भारत में ड्रग्स की सबसे चिंताजनक श्रेणी ओपिओइड है, भारत में ओपिओइड के इस्तेमाल का प्रचलन वैश्विक औसत (0.7 प्रतिशत बनाम 2.1 प्रतिशत) से तीन गुना ज़्यादा है। सभी ड्रग श्रेणियों में, ओपिओइड समूह (विशेष रूप से हेरोइन) की ड्रग्स

बीमारी, मृत्यु और विकलांगता की सबसे ज़्यादा दरों से जुड़ी हैं। ड्रग के दुरुपयोग से कई तरह की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जिनमें लीवर की बीमारी (शराब से) , संक्रामक रोग (इंजेक्शन ड्रग के इस्तेमाल में सुइयों को साझा करने के कारण) और ओवरडोज़ से होने वाली मौतें शामिल हैं। साथ ही, मादक द्रव्यों के सेवन का मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसे अवसाद और चिंता से गहरा सम्बंध है। यह मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकता है या नए लोगों के विकास को जन्म दे सकता है। ड्रग के दुरुपयोग से परिवार टूट सकते हैं, संघर्ष बढ़ सकते हैं और परिवारों के भीतर भावनात्मक आघात हो सकता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से प्रभावित परिवारों में बच्चों को उपेक्षा, दुर्व्यवहार और शिक्षा में बाधा का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी समग्र भलाई प्रभावित होती है। नशीली दवाओं की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को अक्सर सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है, जो उनके ठीक होने और समाज में फिर से शामिल होने में बाधा बन सकता है। परिवार के किसी सदस्य की लत को सहने की लागत और उससे जुड़े चिकित्सा व्यय के कारण परिवारों को अक्सर वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता 18-35 वर्ष की उत्पादक आयु वर्ग में होते हैं, नशीली दवाओं की लत के कारण कार्यस्थल पर अनुपस्थिति और उत्पादकता में कमी आ सकती है। हिंसा और अपराध में वृद्धि नशीली दवाओं के दुरुपयोग का प्रत्यक्ष प्रभाव है। नशे के आदी लोग अपनी दवाओं के भुगतान के लिए अपराध का सहारा लेते हैं। नशीली दवाएँ संकोच को दूर करती हैं और निर्णय लेने की क्षमता को कम करती हैं, जिससे व्यक्ति अपराध करने के लिए प्रेरित होता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के साथ छेड़छाड़, समूह संघर्ष, हमला और आवेगपूर्ण हत्याओं की घटनाएँ बढ़ जाती हैं।आम आबादी, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के जोखिमों और इसके परिणामों के बारे में सीमित जागरूकता है। इसके अलावा, स्कूलों और समुदायों में लोगों, विशेष रूप से युवा व्यक्तियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में सूचित करने के लिए शैक्षिक कार्यक्रम अपर्याप्त हैं। मादक द्रव्यों के सेवन के विकार वाले व्यक्तियों को कलंकित करने से वे सहायता और समर्थन प्राप्त करने से हतोत्साहित हो सकते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं और समाज में बड़े पैमाने पर भेदभाव उपचार और पुनर्वास सेवाओं तक पहुँच में बाधा उत्पन्न कर सकता है। नशीली दवाओं की लत के उपचार सुविधाओं और योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है। भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रचलन और पैटर्न पर सीमित शोध है, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और कार्यक्रम विकास में बाधा डालता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग की छिपी और कलंकित प्रकृति के कारण सटीक डेटा एकत्र करने में भी चुनौतियाँ हैं। प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों के करीब भारत की भौगोलिक स्थिति इन दवाओं की आसान उपलब्धता की ओर ले जाती है। इसके अलावा, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुसार, अवैध नशीली दवाओं के व्यापार के लिए डार्क नेट और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करने का चलन बढ़ रहा है। भारत में नए साइकोएक्टिव पदार्थों की खपत बढ़ रही है और ये पदार्थ अक्सर मौजूदा दवा नियंत्रण नियमों के दायरे से बाहर हो जाते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए उन्हें प्रभावी ढंग से मॉनिटर और विनियमित करना चुनौती बन जाता है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज करेंगे 495.23 करोड़ के 1192 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 9 दिसंबर को अंबिकापुर के दौरे पर रहेंगे। पीजी कॉलेज ग्राउंट में आयोजित विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमि पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री द्वारा 495.23 करोड़ के 1192 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें 154.47 करोड़ की राशि के 145 कार्यों का लोकार्पण एवं 340.76 करोड़ की राशि के 340 कार्यों का भूमि पूजन किया जाना है। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री अरुण साव शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ शासन के वित्त एवं प्रभारी मंत्री सरगुजा ओपी चौधरी करेंगे। कलेक्टर विलास भोस्कर ने रविवार को पीजी कॉलेज ग्राउंड में कार्यक्रम के आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासनिक टीम को समय सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री प्रवास कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि, अनुसूचित जाति जनजाति एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मंत्री राम विचार नेताम, महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज, विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर के विधायक राजेश अग्रवाल, विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा के विधायक प्रबोध मिंज, विधानसभा क्षेत्र सीतापुर के विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, महापौर नगर पालिक निगम अम्बिकापुर डॉ. अजय तिर्की एवं जिला पंचायत सरगुजा अध्यक्ष मधु सिंह शामिल होंगे।

इन कार्यों को होगा भूमिपूजन

भूमिपूजन कार्यों में अमृत 2.0 के तहत नगर पालिक निगम अंबिकापुर क्षेत्र में 123.28 करोड़ रूपए की लागत राशि के कुल 46 एमएलडी क्षमता के 3 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्य का भूमिपूजन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 55.45 करोड़ की लागत के 15 सडक़ निर्माण कार्यों का भूमिपूजन, 55.05 करोड़ की लागत से 16 ग्राम पंचायतों में स्टॉप डेम, एनीकट, एवं नहर नवीनीकरण कार्य, जिले में 28.40 करोड़ की लागत से 243 आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन, निकाय क्षेत्र अंतर्गत 5.92 करोड़ की लागत से विभिन्न वार्डों के सीसी रोड, नाली, सडक़ डामरीकरण एवं अन्य 101 कार्यों का भूमिपूजन सहित कुल 340.76 करोड़ की राशि के 1047 कार्यों का भूमि पूजन किया जाना है।

इन कार्यों का होगा लोकार्पण

लोकार्पण कार्यों में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 132.83 करोड की लागत से निर्मित 10 सडक़ों का लोकार्पण, 3.59 करोड़ की लागत से तैयार जल जीवन मिशन के तहत पांच ग्रामों में एकल ग्राम एवं सोलर आधारित नल जल प्रदाय योजना, नगर निगम अम्बिकापुर में 3.52 करोड़ की लागत से निर्मित सर्व समाज मांगलिक भवन, राज्य विपणन बोर्ड द्वारा 500 मीट्रिक टन के तीन नवनिर्मित गोदाम एवं 5 किसान कुटीर भवन लागत 1.46 करोड़ सहित 154.47 करोड़ की राशि के कुल 145 कार्यों का लोकार्पण किया जाना है।

आरक्षक संवर्ग भर्ती प्रक्रिया पुनःहुई शुरू, काफी संख्या में अभ्यर्थी हुए शामिल

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। जिला पुलिस बल आरक्षक संवर्ग भर्ती प्रक्रिया 16 नवंबर से चल रही थी। हाईकोर्ट के निर्देश पर 27 नवंबर से भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी गई थी। इससे अभ्यर्थियों में निराशा था। हाईकोर्ट के अंतिम निर्णय के बाद पुनः भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए थे। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद सरगुजा पुलिस द्वारा पुनः 8 दिसंबर से भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर तथा पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मैनपाट में रिक्त आरक्षक संवर्ग के पदों की पूर्ति हेतु आरक्षकों की भर्ती की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया 10वीं वाहिनी छसबल सिलफिली जिला सूरजपुर में चल रही है। कुल 769 पदों के लिए आयोजित भर्ती प्रक्रिया में कुल 82694 अभ्यर्थी शामिल हैं। एसपी योगेश पटेल ने बताया कि अभ्यर्थी के पास एडमिट कार्ड तथा समस्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रति के साथ छायाप्रति होना आवश्यक है। एडमिट कार्ड के अतिरिक्त अभ्यर्थी के स्वयं के पहचान पत्र हेतु एक पहचान पत्र होना चाहिए, इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को भर्ती ग्राउण्ड में प्रवेश दिया जाएगा। वहीं भर्ती प्रक्रिया के दौरान ग्राउण्ड के अंदर अभ्यर्थी का मोबाइल लाना या उपयोग करना वर्जित है।

आधुनिक तकनीक के मध्यम से की जा रही प्रक्रिया

एसपी ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं निष्पक्ष है। भर्ती प्रक्रिया आधुनिक तकनीक के माध्यम से की जा रही है। अभ्यर्थी किसी व्यक्ति के जालसाजी, धोखाधड़ी या लेन-देन से दूर रहें। यदि भर्ती स्थल पर कोई व्यक्ति भर्ती के नाम पर किसी प्रकार का प्रलोभन देता है तो तत्काल उसी सूचना चयन समिति को दें।

अवैध लकड़ी जब्त,आरा मिल सील

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। अवैध लकड़ी के मामले में वन विभाग ने आरा मिल पर कार्रवाई की है। विभाग ने कार्रवाई करते हुए आरा मिल को सील कर दिया है। रविवार को वन विभाग को जानकारी मिली थी कि शहर के गंगापुर स्थित मेसर्स रामप्रसाद आरा मिल में अवैध लकड़ी खपाया जा रहा है। सूचना पर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान टीम ने आरा मिल परिसर से 5 नग साल लठ्ठा लोड पिकअप वाहन भी जब्त किया।

शिक्षक फेडरेशन के सम्भागीय अध्यक्ष बने संजय

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। संजय सिंह को शिक्षक फेडरेशन सरगुजा का सम्भागीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी ने आदेश जारी कर नियुक्त किया है। संजय सिंह को यह उपलब्धि मिलने से उनके शुभचिंतकों में हर्ष है। संजय ने बताया कि कर्मचारियों के हित में काम करेंगे।

शासकीय भूमि का फर्जी पट्टा बनवाकर केसीसी लोन निकलवाने के मामले में 13 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। कांग्रेस शासन काल में राजस्व अधिकारियों से मिलीभगत कर मैनपाट में 1 हजार एकड़ से अधिक शासकीय भूमि का फर्जी पट्टा बनवाया गया था। शिकायत पर कलेक्टर विलास भोस्कर ने सीतापुर एसडीएम रवि राही को जांच के आदेश दिए थे। जांच में अब तक 498 एकड़ शासकीय भूमि का फर्जी पट्टा पाया गया। जिसे एसडीएम द्वारा निरस्त कर उक्त भूमि को शासकीय मद में शामिल कर दिया गया है। वहीं अन्य मामलों की जांच चल रही है। इसके अलावा शासकीय भूमि के फर्जी पट्टा बनवाकर लोगों ने 3.56 करोड़ रुपए का लोन भी निकलवा लिया था। वहीं फर्जी पट्टे के आधार पर समर्थन मूल्य पर धान भी बेचे गए थे। सीतापुर एसडीएम ने मामले में 1325 पन्नों की जांच रिपोर्ट तैयार कर कलेक्टर को सौंपा था। मामले में कलेक्टर ने मैनपाट तहसीलदार संजय सारथी को संबंधितों पर रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। तहसीलदार ने मामले में रविवार को कमलेश्वरपुर थाना में कांग्रेस नेता अटल बिहारी, रजवंती, रामसूरत, चंद्रवती, नीरज, संजय, नरेश, शिवराज, अनिल कुमार गुप्ता, कविता यादव, गोपाल, हरिकेश्वर, जनार्दन यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471 व 120 बी के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

धान खरीदी केंद्र में से धान का उठाव ना होने से समिति प्रबंधक चिंता में

-सुदामा राजवाड़े-

राजपुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। इन दिनों धान खरीदी केन्द्र समाचारों की सुर्खियों में बना हुआ है कहीं बारदाना की कमी तो कहीं टोकन की मारामारी व कहीं कम खरीदी को लेकर आए दिन अखबारों में सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने-अपने दावे प्रति दावे कर समाचार पत्रों में अपनी अपनी व्यथा करते नजर आ रहे हैं वही राजपुर जनपद क्षेत्र के बरीयो स्थित धान खरीदी केंद्र के प्रबंधक धान ना उठाव होने से चिंतित नजर आ रहे हैं।

आपको बताना लाजिमी होगा कि छत्तीसगढ़ बीते 14 नवंबर से छत्तीसगढ़ की सरकार धान खरीदने की सूचना जारी की थी जिस पर छत्तीसगढ़ में स्थित तमाम धान खरीदी केंद्रों पर धान का आवक होने लगा है। खबरें आ रही है कि नये केन्द्रों में वरदान कमी तो किन्हीं केन्द्रो में टोकन वहीं किन्ही केदो में कम खरीदी की शिकायत की खबरें आ रही है यही नहीं प्रबंधकों पर भी कार्रवाई की खबरें छप रही है। लेकिन राजपुर जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत बारियों स्थित धान केंद्रे के प्रबंधक राइस मिलर के द्वारा धान ना उठाव होने से उन्हें कार्रवाई की चिंता सताया जा रहा है। उन्हें लगता है यदि राइस मिलर धान न उठाए तो सैकड़ो कुंटल धान संभवत सूख जाएगा जिसका प्रबंधक के ऊपर ही दुखड़ा फूटेगा जिसको लेकर प्रबंधन चिंतित हैं इस विषय पर बरियो समिति प्रबंधक ने खुलकर बताया की धान का आवक बढ़ता ही जा रहा है नियम अनुसार धान खरीदी किया जा रहा है लेकिन राइस मिलर के द्वारा धान न उठाने से चिंतित सता रही है क्योंकि धान सैकड़ो कुंटल सूक्ति में चला जाएगा और इल्जाम प्रबंधन पर लगेगा दूसरी तरफ उपस्थित किसानों से पूछा गया कि धान खरीदी को लेकर क्या आप संतुष्ट हैं समिति में उपस्थित किसानों ने कहा कि नहीं धान तो 21 क्यूंटल ही लिया जा रहा है लेकिन यह बात सही है कि धान का भंडारण बढ़ता जा रहा है बहरहाल अब देखना यह है कि प्रदेश की शायद सरकार इस और कब से संज्ञान लेगी या फिर बरियों समिति परबंधक के ऊपर सूक्ति से धान कम होने पर फूटेगा ठीकरा ।

शादी के दौरान होटल से 1 लाख 40 हजार रुपए चोरी,रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। शादी समारोह में होटल से 1 लाख 40 हजार रुपए चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर मणिपुर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पवन चौधरी दर्रीपारा का रहने वाला है। 3 दिसंबर को इसकी बहन की शादी होटल आदित्य ज्योति दर्रीपारा में थी। शादी समारोह के काफी संख्या में लोग पहुंचे थे। शादी में गिफ्ट के रूप में लगभग 2 हजार लोगों ने रुपए डालकर लिफाफा दिया था। इसके अलावा अन्य रिश्तेदारों द्वारा दिए गए रुपए एक बैग में रखा हुआ था। इस दौरान सभी शादी में व्यस्थ थे। इस बीच किसी अज्ञात महिला द्वारा बैग से रुपए निकालकर चोरी कर ली। घर वालों को इसकी जानकारी बाद में लगी। पवन ने मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

टीकाकरण के बाद नवजात की मौत,परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले में टीकाकरण के बाद एक नवजात की मौत का मामला सामने आया है। मृत बच्चा रामानुजनगर ब्लॉक के ग्राम परशुरामपुर निवासी धनेश और शीतल का ढाई महीने का बेटा प्रियांशु था। यह दंपति का पहला बच्चा था, जिससे परिवार गहरे शोक में है।

टीकाकरण के बाद बिगड़ी हालत

शीतल ने बताया कि शुक्रवार को गांव में हुए टीकाकरण अभियान के तहत प्रियांशु को टीका लगाया गया था। साथ ही, स्वास्थ्य कर्मियों ने बुखार आने पर सिरप देने और ठंडे पानी से सिकाई करने की सलाह दी थी। टीका लगने के कुछ घंटे बाद प्रियांशु को तेज बुखार हो गया। सिरप देने के बावजूद बुखार नहीं उतरा। बुखार बढ़ने पर बच्चे की मां ने स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता (मितानिन) से संपर्क किया। मितानिन ने सिरप देने और सिकाई जारी रखने को कहा। इसके बावजूद रविवार सुबह 6 बजे बच्चे ने दम तोड़ दिया। मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर लापरवाही के मामले में सरगुजा संभागायुक्त द्वारा की गई ।

परिजनों ने मांगी उच्चस्तरीय जांच

मौत के बाद परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए रामानुजनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

जांच के लिए स्वास्थ्य टीम गांव भेजी गई

सूरजपुर के सीएमएचओ डॉ. कपिल पैकरा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर जांच के लिए स्वास्थ्य टीम को गांव भेजा गया है। टीम यह पता लगाएगी कि मौत का कारण टीकाकरण से जुड़ा है या नहीं। शुक्रवार को अन्य बच्चों को भी टीका लगाया गया था, लेकिन वे सभी स्वस्थ हैं।

ग्रामीणों में दहशत

इस घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। अन्य परिजन भी टीकाकरण को लेकर आशंकित हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर कोई ठोस निर्णय लिया जाएगा।

4 जुआरी पकड़ाए,8 हजार 560 रुपए जब्त

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। मणिपुर पुलिस ने जुआ खेलते 4 लोगों पर कार्रवाई की है। पुलिस ने जुआ फड़ से 8 हजार 560 रुपए भी जब्त किए है। सभी थाना क्षेत्र के भाथुपारा स्थित मंदिर के समीप सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे थे। जुआरियों में दिनेश दास निवासी भाथूपारा, विकास साहू निवासी मणीपुर, सतीश साहू निवासी मणीपुर व प्रिन्स साहू निवासी बंजारी थाना मणीपुर को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने इनके खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। ग्राम बेलकोट के पास शनिवार की रात कार की टक्कर से बाइक सवार दो चचेरे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए बतौली शांतिपारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने एक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे का इलाज आईसीयू में चल रहा है। जानकारी के अनुसार सुनील राम पिता नागेश्वर राम उम्र 25 वर्ष जशपुर जिले ग्राम कंचनडीह का रहने वाला था। वह शनिवार को बाइक से अपने चचेरे भाई आशिष के साथ ग्राम सिलसिला जा रहा था। रास्ते में ग्राम बेलकोटा के पास कार ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को इलाज के लिए शांतिपारा बतौली अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने सुनील को मृत घोषित कर दिया। वहीं आशिष का इलाज आईसीयू में चल रहा है।

टीचर ने मासूम छात्रों को डंडे से बेदम पीटा,शरीर पर निशान

-संवाददाता-

अंबिकापुर,08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। एक शिक्षक ने 7वीं कक्षा के 2 छात्रों की डंडे से इस कदर पिटाई कर दी कि उनके शरीर पर निशान पड़ गए। एक छात्र के पिता ने पिटाई के निशान देख मामले की शिकायत बीईओ व डीईओ से की। उसने कहा कि बच्चे को कोई ऐसे मारता है क्या? जब बीईओ ने मामले की जांच की तो डंडे के निशान छात्र के शरीर पर मिले। जांच प्रतिवेदन में मामले का उल्लेख कर उसे डीईओ के पास भेजा है। मामले में शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई है। इधर शिक्षक ने अपने कृत्य के लिए माफी मांगी है।

पूरा मामला बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के रघुनाथनगर स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मेडियम स्कूल का है। शुक्रवार को वहां पदस्थ शिक्षक पीयुष वर्मा ने 7वीं कक्षा के 2 छात्रों से कुछ प्रश्न पूछे। इसका जवाब छात्र नहीं दे पाए।

इससे शिक्षक का पारा सांतवें आसमान पर पहुंच गया और उसने दोनों छात्रों की डंडे से बेदम पिटाई कर दी। डंडे से मारपीट के निशान छात्रों के पैरों पर पड़ गए। पिटाई से छात्र कक्षा में रोते-बिलखते रहे, लेकिन शिक्षक को दया नहीं आई।

घर जाकर बताई बात

स्कूल से घर पहुंचकर छात्रों ने अपने परिजनों को डंडे से पिटाई की बात बताई। परिजनों ने जब बच्चों के शरीर पर डंडे के निशान देखे तो वे आक्रोशित हो गए। फिर उन्होंने मामले की लिखित शिकायत बीईओ मनीष सिंह व बलरामपुर डीईओ से की। उन्होंने शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बीईओ ने की मामले की जांच

शिकायत पर बीईओ ने मामले की जांच की। उन्होंने बताया कि 2 छात्रों के साथ मारपीट हुई है। जांच प्रतिवेदन डीईओ को भेज दिया गया है। इधर शिक्षक पीयुष वर्मा ने अपने इस कृत्य के लिए माफी मांगी है। उसका कहना है कि प्रश्न का जवाब नहीं देने पर उसने छात्रों को अपना बच्चा समझकर मारा था।

CMYK

सीजीपीएससी गड़बड़ी का मामला आया सामने

» छापे में मिले सबूत...

» तत्कालीन एग्जाम कंट्रोलर आरती वासनिक गिरफ्तार...

रायपुर,08 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में गड़बड़ी मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। छापे में मिले सबूत के आधार पर सीबीआई ने तत्कालीन एग्जाम कंट्रोलर आरती वासनिक को गिरफ्तार किया है। इसके बाद जांच एजेंसी अपनी कस्टडी में लेकर पूछताछ करेगी। जानकारी के मुताबिक जिस दौरान सीजीपीएससी भर्ती परीक्षा में घोटाला के आरोप लगे हैं, उस समय आरती वासनिक परीक्षा नियंत्रक थीं। ईओडब्ल्यू और अर्जुंदा थाने में भी मामले में केस दर्ज किया है।

जानकारी के मुताबिक 2 दिन पहले ही सीबीआई की टीम ने राजनांदगांव स्थित आरती के घर पर छापेमारी की थी। इस दौरान भी सीबीआई को महिला अधिकारी आरती के खिलाफ कुछ अहम सबूत मिले थे। इससे पहले सीजीपीएससी के पूर्व अध्यक्ष टामन सोनवानी और छत्तीसगढ़ के स्टील कारोबारी श्रवण गोयल को अरेस्ट किया था। फिलहाल, दोनों जेल में हैं। आरती वासनिक सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी की करीबी रही हैं। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ पीएससी में 2019 से 2022 तक की हुई भर्ती में कुछ अभ्यर्थियों के चयन को लेकर विवाद है।

साल 2019 से 2022 तक हुई सीजीपीएससी भर्ती में कुछ अभ्यर्थियों के चयन को लेकर विवाद है। साल 2021 मेंसीजीपीएससी की ओर से कुल 171 पदों के लिए भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया था, जबकि 2020 में 175 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा हुई थी। इन परीक्षाओं में भ्रष्टाचार और अनियमितता की शिकायत के बाद जांच की जा रही है। टामन सिंह सोनवानी राज्य लोक सेवा आयोग के चेयरमैन बनने से पहले मुख्यमंत्री सचिवालय के सचिव और डायरेक्टर एग्रीकल्चर रह चुके हैं। वह 2004 बैच के आईएएस अफसर हैं। वह नारायणपुर और कांकेर जिले के कलेक्टर भी रह चुके हैं। धमतरी जिले के निवासी टामन सिंह 1991 में राज्य प्रशासनिक सेवा में आए थे। साल 2004 मेंआईएएस बैच और इसके बाद 2008 में आईएएस अवॉर्ड मिला।

भाजपा का संगठन चुनाव

राजधानी रायपुर में बनेंगे चार नए मंडल, अब 16 की जगह हो जाएंगे 20

रायपुर,08 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में बीजेपी संगठन के चुनाव चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि, रायपुर में अब बीजेपी के 16 की जगह 20 मंडल होंगे। 4 नए मंडलों का क्ष्छ्क संगठन पर्व के दौरान विस्तार किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, भाजपा के संगठन चुनाव के लिए हुई कार्यशाला के दौरान 4 नए मंडलों की घोषणा की गई है।

10 दिसंबर को पूरे प्रदेश में होगा कांग्रेस का हल्लाबोल

» भाजपा ने कहा...वजूद की तलाश के लिए कांग्रेस नेता कर रहे हैं आंदोलन...

रायपुर,08 दिसम्बर 2024(ए)। कांग्रेस पार्टी ने धान खरीदी में व्याप्त अव्यवस्था को लेकर मुहिम शुरू की है। इस मुद्दे को लेकर पक्ष विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है, इसी बीच अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने धरना प्रदर्शन का ऐलान कर दिया है। प्रेस वार्ता कर बैज ने कहा कि धान खरीदी केंद्रों में अव्यवस्था फैली हुई है। इसके विरोध में कांग्रेस पार्टी 10 दिसंबर को पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन करेगी।

दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी तीन दिसंबर से धान खरीदी केंद्र चलो अभियान चला रही है, जिसमें हमारे तमाम वरिष्ठ नेता कई क्षेत्रों में गए और किसानों से चर्चा की, जिसमें धान खरीदी में कई अव्यवस्था सामने आई, टोकन को लेकर किसानों को काफी समस्या हो रही है, सोसाइटियों में धान का उठाव अभी तक नहीं हो पाया है, सरकार ने कहा था 21 क्विंटल धान खरीदी करेंगे, लेकिन पूरे धान केंद्रों में इसके मुताबिक खरीदी नहीं की जा रही है। सरकार किसानों से झूठ बोल रही है, वहीं सरकार में आई तमाम प्रकार के समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी 10 दिसंबर को पूरे प्रदेश में धरना देंगी।

भाजपा ने अनर्गल प्रलाप का लगाया आरोप

कांग्रेस के आंदोलन के ऐलान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने धान खरीदी को लेकर कांग्रेस द्वारा आंदोलन करने की घोषणा को कांग्रेस की बौखलाहट का परिचायक बताया। उन्होंने कहा कि धान खरीदी को लेकर कांग्रेस के नेता जिस तरह अनर्गल प्रलाप करके धान खरीदी की समूची प्रक्रिया के सुव्यवस्थित संचालन को लेकर प्रदेश को गुमराह करने में लगे हैं, वह कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र ही है। कांग्रेस का यह झूठ कभी परवान नहीं चढ़ पाएगा।

कांग्रेस के नेता भी उठा रहे हैं सरकार की योजना का लाभ

शिवरतन शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के तीन-तीन पूर्व मंत्री टोकन नहीं मिलने की शिकायत कर रहे हैं। यह कांग्रेस का एक और नया झूठ है। हम यह आंकड़ा पेश कर सकते हैं कि धान खरीदी से कितने कांग्रेसी नेता और पूर्व मंत्री लाभान्वित हुए हैं, किन-किन कांग्रेस नेताओं ने कितना-कितना धान बेचा है और उसका कितना भुगतान उनके खातों में जमा हुआ है? श्री शर्मा ने कहा कि यह बेहद आश्चर्य की बात है कि कांग्रेस सरकार के अनेक पूर्व मंत्री तक यह स्वीकार कर रहे हैं कि पहले कुछ दिक्कत थी अब दिक्कत नहीं है। तब कांग्रेस के पूर्व मंत्रियों की टोकन नहीं मिलने की बात हास्यास्पद और सफेद झूठ साबित हो रही है। इसी प्रकार कांग्रेस सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने भी स्वीकार किया है कि पहले सोसाइटी में धान खरीदने के लिए बारदाने के लिए परेशानियां होती थी, लेकिन अब बारदाने सोसाइटियों में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। शर्मा ने कहा कि चूंकि अभी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव सामने हैं, तो अपने वजूद की तलाश के लिए कांग्रेस नेता आंदोलन कर रहे हैं।

सैकड़ों महिलाओं से 70 करोड़ से अधिक की ठगी का मामला उजागर

» 95 गांवों की सैकड़ों महिलाएं हुईं ठगी का शिकार

» महिलाओं के नाम पर 70 करोड़ रुपये का लोन लिया

» लोन की किश्तें जमा नहीं होने पर ठगी का एहसास

बालोद,08 दिसम्बर 2024(ए)। जिले के 95 गांवों की सैकड़ों महिलाओं के नाम पर माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से करीब 70 करोड़ रुपये से अधिक का लोन निकाला गया है। अब धीरे-धीरे महिलाएं ठगी किए जाने की शिकायत को लेकर थाने पहुंचने लगी हैं।

लगातार बढ़ रही ठगी गईं महिलाओं की संख्या

अब शनिवार को गुरुर थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम नारागांव और किनारगोंदी के 86 से अधिक महिलाओं ने लोन के नाम पर धोखाधड़ी की शिकायत करने के लिए गुरुर थाना पहुंची थी। पुलिस ने खोलबहरा कैवर्त्य, सरिता करियाम सहित एक अन्य पुरुष की तलाश में जुट गई है। रविवार को पुलिस ने शिकायतकर्ताओं को थाने में बुलाकर बयान दर्ज करने में जुटी हुई है।

महिलाओं के नाम लोन लेकर शेयर मार्केट में निवेश

जानकारी के अनुसार मुख्य आरोपित खोलबहरा महिला समूह के नाम पर लोन निकालने के बाद मोटी रकम को शेयर मार्केट में निवेश करने की बात सामने आ रही है। साथ ही वह बिटकाइन में भी पैसा फंसाया गया है। वहीं शेयर मार्केट में उसे काफी नुकसान होने व बिटकाइन से लगभग 12 लाख रुपये लाभ कमाया था। शेयर बाजार में नुकसान होने के चलते संबंधित बैंकों का किश्त नहीं चुका पाया। इसके बाद वह वहां से फरार हो गया।

दीवाली के बाद से आरोपी हुआ फरार

ठगी का मास्टर माइंड खोलबहरा कैवर्त्य पिता मंगलू राम कैवर्त्य अपनी पत्नी निर्मला कैवर्त्य के साथ बालोद बाईपास मार्ग पर स्थित ग्राम परेगुड़ा में प्रकाश साहू के मकान पर करीबन दो-तीन वर्षों से किराए पर रह रहा था। वह मूल रूप से जांजगीर चांपा जिले में कटनई के हाऊस नंबर 134 सिधादेव पहरिया पाट मंदिर का रहने वाला था।

अभी बीते दीपावली के आसपास घर खाली कर पूरे सामान को साथ लेकर गायब हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि हमारे यहां के कुछ महिलाएं भी आधार कार्ड के माध्यम से खाता खुलवाने व लोन संबंधी इसके झांसे में आए हैं। इसके साथ में एक स्थानीय महिला सरिता करियाम भी काम कर रही थी।

कर्ज पटाने के लिए पहुंचा नोटिस तब ठगी का हुआ एहसास

खरथुली, नारागांव और किनारगोंदी की महिलाओं के अनुसार वे विभिन्न बैंक एवं माइक्रो फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी, आइडीएफसी, एक्सिस, ग्रामशक्ति, अन्नपूर्णा, सूर्योदय, अविरल सहित अन्य माइक्रो फाइनेंस कंपनी से लोन लेकर खोलबहरा कैवर्त्य और सरिता करियाम को दिए हैं। खोलबहरा ने लोन की सभी किश्तों को जमा करने की बात कही थी। बीते माह से किश्त की राशि जमा नहीं हो रही है। जिससे उन्हें धोखाधड़ी का एहसास हुआ।

आंदोलन की राह पर पटवारी

» आज से काली पट्टी लगाकर करेंगे काम...

रायपुर,08 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के पटवारी एक बार फिर आंदोलन की राह पर हैं। राजस्व पटवारी संघ ने शासन से आवश्यक संसाधनों की मांग करते हुए 9 दिसंबर से काली पट्टी बांधकर काम करने की घोषणा की है। साथ ही, 15 दिसंबर के बाद सभी ऑनलाइन कार्यों और ट्रेनिंग को रोकने तथा 16 दिसंबर से सभी व्हाट्सएप ग्रुप का बहिष्कार करने का ऐलान किया है।

रायपुर में हुई प्रांतीय बैठक में समस्याओं पर चर्चा

राजस्व पटवारी संघ की प्रांतीय बैठक रायपुर में आयोजित हुई, जिसमें संघ के जिलाध्यक्ष और प्रांतीय कार्यकारिणी ने ऑनलाइन कार्यों में आ रही समस्याओं को उजागर किया। पटवारियों का कहना है कि वर्तमान में राजस्व से जुड़े सभी कार्य, जैसे कृषि संगणना और फसल कटाई प्रयोग, ऑनलाइन माध्यम से किए जा रहे हैं। इसके बावजूद, पटवारियों को न तो आवश्यक तकनीकी संसाधन मुहैया कराए गए हैं और न ही इसके लिए कोई भत्ता।

निजी संसाधनों से हो रहा काम

संघ ने बताया कि मजबूरी में पटवारी निजी अथवा किराए पर लिए गए संसाधन के जरिए कार्यों को संपादित कर रहे हैं। संघ ने शासन से समस्या का जल्द निराकरण की मांग करते हुए चेतावनी दी कि स्थिति में सुधार नहीं होने पर पटवारी 16 दिसंबर से सभी प्रकार के ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार करन को बाध्य होंगे, जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

छग पुलिस को जल्द मिलेगा नया डीजीपी

रायपुर,08 दिसम्बर 2024 (ए)। डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल 5 फरवरी को खत्म हो रहा है. नए डीजीपी के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने तीन नामों का पैनल यूपीएससी को भेज दिया है। इन नामों में 1992 बैच के आईपीएस पवन देव और अरुण देव गौतम तथा 1994 बैच के आईपीएस हिमांशु गुप्ता का नाम शामिल है। बताया जा रहा है कि डीजीपी की दौड़ के लिए पांच अफसरों का पैनल बनाया गया था. एसआरपी कल्लूरी और प्रदीप गुप्ता का नाम भी पैनल में रखा गया था, लेकिन यूपीएससी को भेजे गए पैनल में केवल तीन नाम ही रखे गए हैं।

बतौर डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल जुलाई 2024 में खत्म हो रहा था, लेकिन उनके रिटायरमेंट के ठीक पहले केंद्र सरकार ने उन्हें छह महीने के लिए एक्सटेंशन दे दिया था। एक्सटेंशन के लिए पहले नए डीजीपी के लिए जिन नामों पर सर्वाधिक चर्चा थी, उन नामों में अरुण देव गौतम और हिमांशु गुप्ता के नाम थे, लेकिन ऐन वक्त पर सब कुछ बदल गया। अब जब जुनेजा का एक्सटेंशन खत्म हो रहा है, ऐसे में नए डीजीपी के चेहरे की खोजबीन तेज हो गई है. राज्य सरकार ने जिन तीन नामों का पैनल यूपीएससी को भेजा हैं, इनमें से एक नाम अशोक जुनेजा के रिटायरमेंट के ठीक एक दिन पहले तक घोषित कर दिए जाएंगे।

पति-पत्नी को अपहरण कर ले गए थे नक्सली, एक की हत्या

बीजापुर,08 दिसम्बर 2024(ए)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दौरे के पहले बस्तर में नक्सलियों ने अपनी सक्रियता बढाते हुए उत्पात मचाना शुरू कर दिया है। तीन दिन के भीतर शनिवार को नक्सलियों ने चौथे ग्रामीण महिला सुकरा यालम की हत्या कर दी है। इस वर्ष सुरक्षा बल से सीधी लड़ाई में लगातार मात खाने के बाद नक्सली बड़ी लड़ाई लड़ने की स्थिति में नहीं है, इसलिए स्माल एक्शन टीम को सक्रिय कर ग्रामीणों को निशाना बनाकर हत्या कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार नक्सलियों की स्माल एक्शन टीम के चार से पांच सदस्य शनिवार को मद्देड़ थाना क्षेत्र के लोदेड़ गांव पहुंचे और रामैया यालम व उसकी पत्नी सुकरा को अपहरण कर गांव से लगभग तीन किमी दूर ले गए। वहां रामैया यालम को डंडो से पिटाई करने के बाद छोड़ दिया व उसकी पत्नी सुकरा की गला घोंटकर हत्या कर दी। देर रात पुलिस को इस घटना की सूचना मिली। रविवार की सुबह पुलिस ने गांव पहुंचकर शव को बरामद किया है। तीन दिन के भीतर बस्तर में नक्सलियों ने तीसरे ग्रामीण की हत्या की है। गुरुवार की रात नक्सलियों ने भैरमगढ़ के बिरियाभूमि के पूर्व संरपच व भाजपा नेता सुक्खु फरसा व नैमेड़ के कडेर निवासी पूर्व सरपंच सुखराम अवलम की हत्या कर दी थी।

धर्म परिवर्तन के दबाव से परेशान युवक ने लगाई फांसी

» व्हाट्सएप स्टेटस लगा कर बयां किया अपना दर्द...

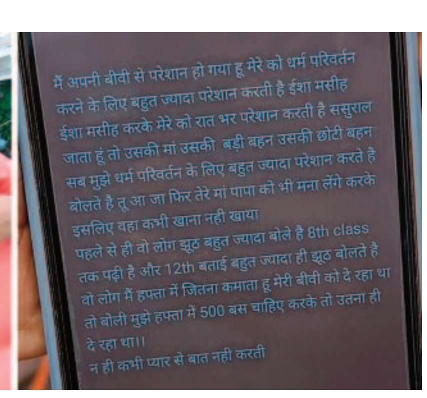

धमतरी,08 दिसम्बर 2024(ए)। इन दिनों देशभर से धर्म परिवर्तन की खबर लगातार सामने आ रही है। हालांकि, स्वेच्छा से अपने धर्म को छोड़कर किसी दूसरे धर्म को अपनाना अपराध नहीं है, लेकिन जबरन धर्मांतरण करना अपराध की श्रेणी ही आता है। धमतरी जिले के ग्राम पोटियाडीह में एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां पत्नी और ससुराल वालों द्वारा धर्म परिवर्तन का दबाव बनाए जाने से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मृतक युवक लिनेश साहू ने अपने घर में फांसी लगाई। आत्महत्या से पहले उसने अपने व्हाट्सएप स्टेटस के माध्यम से अपने दर्द और आरोपों को जाहिर किया। अब युवक का व्हाट्सएप स्टेटस सोशल मीडिया में वायरल है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जिला मुख्यालय धमतरी से लगे ग्राम पंचायत पोटियाडीह का यह मामला है। ग्राम पंचायत पोटियाडीह निवासी युवक लिनेश साहू ने रात में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

शनिवार को जिला अस्पताल धमतरी में शव का पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए शव स्वजनों को सौंप दिया। पुलिस युवक के परिजन और उसके ससुराल वालों से पूछताछ कर रही है।

वायरल हुआ युवक का व्हाट्सएप स्टेटस

लिनेश साहू ने अपनी पत्नी और ससुरालवालों पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का आरोप लगाया। उसके व्हाट्सएप स्टेटस में लिखा था, मैं अपनी बीवी से परेशान हो गया हूं। मेरे को धर्म परिवर्तन करने के लिए बहुत ज्यादा परेशान करती है। ईसा मसीह, ईसा मसीह करके मेरे को रात भर परेशान करती है। ससुराल जाता हूं तो उसकी मां, बड़ी बहन, छोटी बहन सब मुझे धर्म परिवर्तन के लिए बहुत ज्यादा परेशान करते हैं। बोलते हैं- तू आ जा, फिर तेरे मां पापा को भी मना लेंगे। यही कारण है कि मैंने कभी वहां खाना नहीं खाया।

युवक ने आगे लिखा- ससुराल वाले पहले से ही बहुत ज्यादा झूठ बोलते हैं। आठवीं क्लास तक पढ़ी है, जबकि शादी के समय 12वीं पास बताया था। हफ्ते में जो कमाता था, वो बीवी को देता था। फिर बोली मुझे हफ्ता में 500 रुपए चाहिए, तो उतना ही दे रहा था। न ही कभी प्यार से बात नहीं करती।

नकली नोट के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश

बलौदाबाजार,08 दिसम्बर 2024(ए)। थाना लवन पुलिस ने नकली नोट छापकर बाजार में खपाने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 2.32 लाख रुपये के नकली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों को लवन बाजार स्थित जिला सहकारी बैंक के पीछे एक खंडहर से दबिश देकर गिरफ्तार किया। गिरोह का तीसरा सदस्य फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

बटेंगे तो कटेंगे नारे को जैन धर्मगुरु ने बताया गलत

कवर्धा,08 दिसम्बर 2024(ए)। 'बटेंगे तो कटेंगे' नारे पर जैन धर्मगुरु मुनिश्री सुधाकर ने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह उग्रवाद पैदा करेगा। सांप्रदायिकता की आग लगाने वाला है। नारा ऐसा होना चाहिए जो सकारात्मक प्रेरणा दे। जो जोड़ने का काम करे. जैन धर्मगुरु मुनिश्री सुधाकर ने कहा कि नारा ऐसा होना चाहिए हम जुड़कर रहेंगे, हम जोड़ते रहेंगे, हम साथ रहेंगे। इससे सकारात्मक ऊर्जा पैदा होगी. इसमें सोच अच्छी होगी. इसमें सबसे जुड़कर रहना है. इसमें सबका सम्मान करना है। सबके विकास की चिंता करनी है। संस्कार और संस्कृति पर ध्यान देना है. ऐसे स्लोगन आए जिसको सुनकर सद्भावना आए और प्रसन्नता की संचार हो। आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री सुधाकर एवं सहवर्ती मुनिश्री नरेश कुमार रायपुर में सतुर्मास सम्पन्न करने के बाद पद यात्रा करते हुए जबलपुर की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान कवर्धा में पहुंचने पर जैन समाज के लोगों ने मुनिश्री का स्वागत करते हुए आशीर्वाद लिया. इस दौरान शहर के स्थानक भवन में मुनिश्री सुधाकर ने जैन समाज के सदस्यों को संबोधित करते हुए नमामि, खममि और विक्षामि पर प्रेरणा दी. जैन धर्मगुरु ने बताया कि जैन मुनि पद यात्रा क्यों करते हैं, इसकी वजह भी बताई।

बीजापुर में 20 साल बाद बंद स्कूलों में बजी घंटी

इस अभियान को मिला स्कॉच अवार्ड सम्मान

बीजापुर,08 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शिक्षा को पुनर्जीवित करने के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। नक्सल प्रभावित इस क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए चलाए गए 'स्कूल फिर चले अभियान' को प्रतिष्ठित स्कॉच सिल्वर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। तत्कालीन कलेक्टर अनुराग पांडेय के नेतृत्व में, जिला प्रशासन और स्थानीय समुदाय के बीच समन्वय से यह अभियान अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सका।

550 गांवों में घर-घर जाकर किया गया सर्वे

इस अभियान के अंतर्गत, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 20 वर्षों से बंद पड़े 28 स्कूलों को पुनः खोला गया और शिक्षा से वंचित बच्चों को स्कूल तक लाने का काम किया गया। विशेष सर्वेक्षण के तहत 550 गांवों में घर-घर जाकर 6 से 18 वर्ष के लगभग 7,000 बच्चों की पहचान की गई, जिनमें से 4,000 बच्चे या तो शाला त्यागी थे या कभी स्कूल गए ही नहीं थे।

शिक्षा के महत्व पर जागरूकता बढ़ी

विशेष रूप से माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार के लिए किए गए प्रयासों ने सफलता पाई, और अब इन क्षेत्रों के बच्चों को 20 साल बाद शिक्षा का अधिकार मिल रहा है। ग्रामीणों में शिक्षा के प्रति जागरूकता का स्तर बढ़ा है। पहले जहां शिक्षा के महत्व को लेकर जागरूकता की कमी थी।

CMYK

कोयला कारोबारी को बचाने के लिए एक अधिकारी निभा रहा रिश्तेदारी

रेलवे की जमीन पर खुदाई, हरे पेड़ों की कटाई और रैंप को जमीदोज करने के प्रकरण में लीपा पोती

बिलासपुर रेलवे जोन के अनूपपुर चिरमिरी रेल खंड पर स्थित बिजुरी रेलवे स्टेशन के अंतर्गत रेलवे की खाली पड़ी वृक्षा रोपण वाली जमीन पर पहले गहरी खुदाई उसके बाद वृक्षारोपण किए गए पौधों की कटाई और अब रेलवे के द्वारा बनाए गए रैंप को तोड़कर अपनी आवंटित जमीन में फीलिंग करने का प्रकरण रेलवे के अधिकारियों के द्वारा महज खाना पूर्ति से जनता के बीच में चर्चा का विषय बना हुआ है...

-बागी कलम-
अनूपपुर,08 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

वैसे तो कागजों पर रेलवे के पास अधिकारियों की लंबी चौड़ी फौज है और रेल संपत्तियों की सुरक्षा देखभाल निगरानी के लिए अलग विभाग बनाया गया है लेकिन बिजुरी रेलवे स्टेशन की रेलवे की जमीनों पर जिस तरह से कोयला कारोबारी के द्वारा पहले 6 एकड़ के क्षेत्रफल में 15 से 20 फीट की गहरा तालाब बना देना, हरे पेड़ों की कटाई कर लेना, रेलवे से ही आवंटित अपनी जमीन को समतल करने के लिए रेलवे के द्वारा लाखों रुपए खर्च करके रेल लाइन बिछाने के लिए बनाए गए रैंप को तोड़कर उसकी मिट्टी से अपने प्लाट की फीलिंग कर लेने के बावजूद रेलवे के अधिकारी शिकायत और समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। वहीं सूत्रों की माने तो कार्यवाही के नाम पर कोरम पूर्ति के कारण व्यावसायिक आवंटन धारी का एक रिश्तेदार जो बिलासपुर जोन नहीं मनेन्द्रगढ़ के पास किसी क्षेत्र का आईओडब्लू है और जो इसके पहले बिजुरी मे रह चुका है। वह कोयला कारोबारी को संरक्षण देकर उन्हें बचाने के कार्य में लगा हुआ है, उसी की सक्रियता के कारण मनेंद्रगढ़ के आईओडब्लू के द्वारा अभी तक कोई ऐसी कार्रवाई नहीं की गई है जिससे यह लगे कि रेलवे के अधिकारी रेलवे की संपत्ति की सुरक्षा करने के लिए सजग है।

डीआरएम सहित कई अधिकारियों के संज्ञान में मामला

इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे की संपत्तियों को व्यावसायिक प्लाट आवंटन धारी के द्वारा नुकसान पहुंचाने की जानकारी व्हाट्सएप फोन और ईमेल के माध्यम से जीएम बिलासपुर जोन, डीआरएम बिलासपुर, एडीएन बिलासपुर के साथ आईओडब्लू मैनेंद्रगढ़ को तीन दिन पहले दी जा चुकी है लेकिन सूत्रों के अनुसार आईओडब्लू मनेंद्रगढ़ के द्वारा अपने ही पड़ोस अंबिकापुर के आईओडब्लू के रिश्तेदार को बचाने के लिए महज खाना पूर्ति की कार्रवाई की जा रही है। वहीं सूत्रों का यह भी दावा है कि बिजुरी में ही रेल फाटक के पास वार्ड नंबर 6 में रेलवे की जमीन पर सड़क बनाई जा रही है जिसकी सूचना भी फोन से अधिकारियों को दी गई थी लेकिन अधिकारी रेलवे की संपत्तियों को बचाने की जगह आरोपियों को ही बचाने की लीपापोती में जुटे हुए हैं जो इस समय बिजुरी क्षेत्र में रेलवे के स्थानीय अधिकारियों की लापरवाही चर्चा का विषय बनी हुई है।

संगीन अपराध पर रेलवे एक्ट के तहत दर्ज हो मुकदमा

इस संबंध में बिजुरी नगर वासियों का कहना है कि कोयला कारोबारी के द्वारा अपनी आवंटित प्लांट को बाहर से मिट्टी लाकर फीलिंग किया जा सकता था लेकिन उनकी आपराधिक गतिविधियां इस कदर है कि चाहे मध्यप्रदेश सरकार के खनिज विभाग का नियम कानून हो या फिर भारत सरकार के रेलवे विभाग का.! इनके ऊपर कोई असर नहीं पड़ता और यह हमेशा नियम कानून तोड़ने के लिए तत्पर रहते हैं। यही कारण है कि आवंटन धारी ने मिट्टी की खुदाई और रेलवे लाइन बिछाने के लिए रैंप को तोड़ा ही साथ ही पौधा रोपण हुए हरे पेड़ों को भी जमीन से उखाड़ कर फेंक दिया जो इनके बुलंद हौसले की गवाही दे रहे हैं। जबकि ऐसा करने के लिए कोई और नहीं इनका ही रिश्तेदार आईओडब्लू एक अधिकारी खुला संरक्षण दे रहा है और इनको बचाने के लिए रेलवे बिलासपुर जोन के उच्च अधिकारियों को गुमराह कर और स्थानीय मनेंद्रगढ़ के अधिकारियों को मैनेज करने की कवायद भी कर रहा है। अब देखना यह है कि क्या रेलवे विभाग के उच्च अधिकारी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए रेलवे की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले कोयला कारोबारी के ऊपर रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई करेंगे या इसी तरह से लीपापोती चलती रहेगी।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर -समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 06 दिसम्बर 2024 | 5

रेलवे की वृक्षारोपण वाली जमीन से मिट्टी निकालकर बना दिया गहरा तालाब

साइडिंग की जमीन में हुई फीलिंग,रेलवे और खनिज विभाग से नहीं ली अनुमति

तो... रेलवे की लापरवाही या अधिकारियों की मिलीभगत

क्या कहता है जमीन के नीचे मिट्टी खनन के लिए कानून

कुसमुंडा पुलिस ने 24 घंटे में अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाया

-संवाददाता-
कोरबा,08 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

कुसमुंडा पुलिस ने 24 घंटे में गंभीर मामले को सुलझाया। पुलिस सहायता केन्द्र सर्वमंगला थाना कुसमुण्डा के मर्ग क्र. 58/2024 व 59/2024 धारा 194 बीएनएसएस के जांच के दौरान घटनास्थल निरीक्षण पर मृतक वासुदेव पिता शत्रुहन यादव उम्र 66 वर्ष, मृतिका शांता यादव पति वासुदेव यादव उम्र 64 वर्ष दोनो साकिनान कमरा नंबर 06 भिखारीडेरा बरेठ मोहल्ला चौकी सर्वमंगला का डॉक्टर द्वारा पीएम रिपोर्ट के आधार पर मृतक वासुदेव यादव की मृत्यू गला घोंटने एवं सीना में दबाने से पसलियों के टूटने से अत्यधिक रक्त स्त्राव एवं मृतिका शांता यादव की मृत्यू किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा गला दबाने से होना पाये जाने पर प्रकरण में अपराध धारा 103(1) बीएनएस का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी द्वारा हत्या के संबंध में आरोपी की पतासाजी करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिये गये तथा मामले की गुत्थी को सुलझाने हेतु मार्गदर्शन दिया गया उनके द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस चौहान एवं नगर पुलिस अधीक्षक विमल पाठक के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी कुसमुण्डा एवं चौकी प्रभारी सर्वमंगला के द्वारा अपने मातहत कर्मचारियों के साथ उक्त मामले में विवेचना के दौरान ज्ञात हुआ कि घटनास्थल के पास रहने वाले विनोद मसीह से पूछताछ करने पर दिनांक 03.12.2024 के रात्रि 09.00 बजे भिखारीडेरा सर्वमंगला नगर बोर के पास कमल सतनामी, बबला उर्फ शेख रमजान अली एवं वासुदेव यादव को बैठकर शराब पिते देखना एवं कुछ समय बाद वासुदेव यादव के घर में जाकर देखने पर बबला उर्फ रमजान को शांता यादव की पैर पकड़े हुए एवं कमल सतनामी को शांता यादव की गला पकड़े देखना बताये जाने पर बबला उर्फ शेख रमजान अली को तलब कर पूछताछ करने पर दिनांक 03.12.2024 के रात्रि बोर के पास वासुदेव यादव, कमल सतनामी तीनो एक साथ शराब पिना फिर कमल सतनामी वासुदेव यादव के घर जाना कुछ समय बाद वासुदेव को जाना फिर वासुदेव के पिछे स्वयं जाना कमरा अंदर शांता यादव को जमीन में आपत्तिजनक हालत में देखना तब वासुदेव यादव कमल सतनामी को क्या कर रहे हो बोलना उतने में कमल सतनामी वासुदेव यादव को लात से मारना फिर जमीन मे गिर जाने पर कमल सतनामी द्वारा पैरो से जोर जोर से सिने को दबाना तब शांता यादव बोली कि मेरे पति को क्यों मार रहे हो मैं सबको बताउंगी बोलने पर कमल सतनामी ने शांता यादव के गला को हाथ से जोर से दबा दिया यह उसके दोनो पैरों को पकड़ना घटना कारित करने में सहयोग करना बताया है कि गवाहों के समक्ष बबला उर्फ शेख रमजान अली का मेमोरण्डम कथन लेखबद्ध किया गया तथा घटना दिनांक को घटना के पास शराब पीकर शराब फेंके गये शीशी को एवं एवं डिसपोजल को आरोपी के निशांदेही पर जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। प्रकरण सदर में आरोपी बबला उर्फ रमजान अली के द्वारा घटना कारित करने के बाद बचने के लिए चौकी में उक्त मृतकों की मरने की सूचना दिया है जो कि प्रकरण में साक्ष्य छिपाने व एक से अधिक आरोपी होने से धारा 238, 3(5) बीएनएस जोड़ा गया है। आरोपी शेख रमजान अली पिता मो. शेख अब्बारा अली उम्र 32 वर्ष साकिन भिखारीडेरा बरेठ मोहल्ला चौकी सर्वमंगला थाना कुसमुण्डा जिला कोरबा (छ.ग.) को गिरफ्तार किया गया है जिसे न्यायालय पेश किया जा रहा है। उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक रफिक खान, स.उ.नि. विभव तिवारी, सउनि. लक्ष्मी प्रसाद रात्रे, प्र.आर. 187 शिव जायसवाल, आर. 678 गजानंद यादव, आर. 733 केशव कंवर, आरक्षक 587 दिपेश प्रधान, आरक्षक 95 दुर्गेश डनसेना, सैनिक 156 सुखनंदन टण्डन एवं सैनिक 93 विजेता कुमार की मुख्य भूमिका रही।

क्या अब भाजपा में नही है ईमानदार कार्यकर्ताओं की पूछपरख,चरण वंदन करने वाले पद पाने में हुए आगे?

सहकारी समिति जामपारा में नियुक्त अध्यक्ष को लेकर कार्यकर्ताओं में उपजा आक्रोश...

तीन वर्ष पहले पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ लड़ा था पार्षद चुनाव,अब अध्यक्ष पद से नवाज़ा गया...

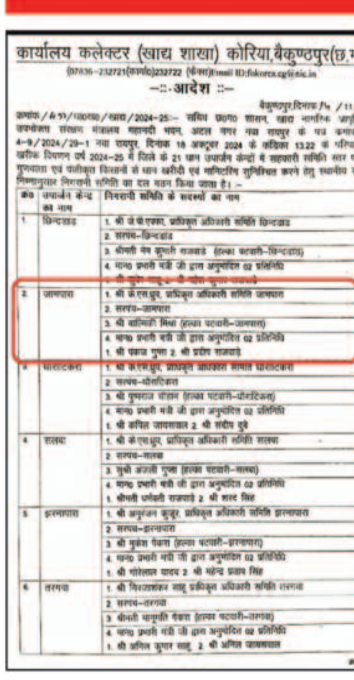
कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) कोरिया,बैकुण्ठपुर(छ.ग.)

-::आदेश::-

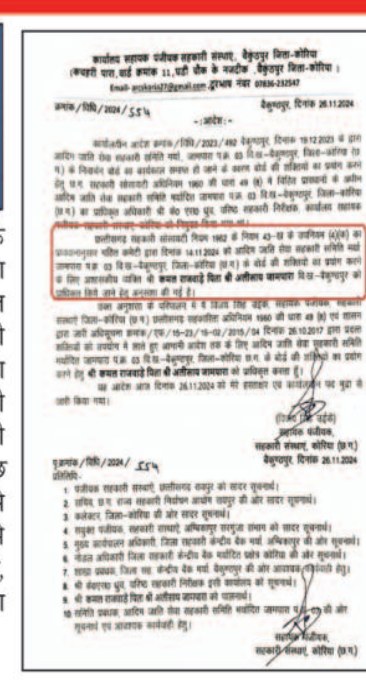
कार्यालय सहायक पंजीयक सहकारी संस्था, बैकुंठपुर जिला-कोरिया

-::आदेश::-

-रवि सिंह-
कोरिया,08 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

संगठन और अनुषासन का पाठ पढाने वाली भारतीय जनता पार्टी की रीति और नीति में अब भारी अंतर नजर आने लगा है,यहां ईमानदारी से काम करने वाले कार्यकर्ताओं की नही बल्कि चरण वंदन करने वाले कार्यकर्ताओं की पूछ परख ज्यादा होने लगी है,इसी के परिणाम स्वरूप पार्टी का जमीनी कार्यकर्ता नाराज दिखलाई देने लगा है। अभी हाल ही में पार्टी की अनुषंसा पर जिले के विभिन्न सहकारी समितियों में अध्यक्ष की नियुक्ति हुई है लेकिन कुछ स्थानों पर इन नियुक्तियों से जमीनी कार्यकर्ताओं मे आक्रोष नजर आ रहा है, साथ ही कार्यकर्ताओं का मनोबल गिर रहा है।

जिसने लड़ा पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव उसे मिला ईनाम

बतलाया जाता है कि अभी कुछ दिनों पहले ही आदिम जाति सेवा सहकारी समिति जामपारा में अशासकीय सदस्य या कहा जाए कि अध्यक्ष के रूप में कमल राजवाड़े पिता अलीसाय राजवाड़े निवासी जामपारा को नियुक्त किया गया है। उक्त नियुक्ति के उपरांत क्षेत्र के सक्रिय कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति होने के उपरांत कमल राजवाड़े ने पदभार भी ग्रहण कर लिया है। जहां समिति में उनका भारी स्वागत सत्कार किया गया। उक्त नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति सहकारी समिति के जिम्मेदार पद पर की गई है जो कभी भी भाजपा का ना तो कार्यकर्ता रहा है और ना ही उसके द्वारा चुनाव आदि में पार्टी का काम किया गया है। बतलाया जाता है कि कमल राजवाड़े के द्वारा गत बैकुंठपुर नगरपालिका चुनाव मे वार्ड नंबर 20 से पार्टी की अधिकृत पार्षद प्रत्याशी लीलावती के खिलाफ चुनाव भी लड़ा गया था जिससे कि लीलावती को हार का मुंह देखना पड़ा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि पार्टी में अब पैर छुने और झूठी वाहवाही करने वाले कार्यकर्ताओं की पूछ परख बढ गई है जो जमीनी कार्यकर्ता है और पार्टी के लिए निष्ठा से काम करता है उसे तवज्जो भी नही दिया जाता उल्टे हतोत्साहित किया जाता है।

आखिर किसके ईशारे पर हुई नियुक्ति?

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति जामपारा में कमल राजवाड़े की नियुक्ति ने विवाद का रूप ले लिया है। बतलाया जाता है कि अषासकीय सदस्य के रूप में भी उसी की नियुक्ति हो सकती है जो कि पंजीकृत किसान हो लेकिन कमल राजवाड़े एक पंजीकृत किसान भी नही है। सूत्रों का कहना है कि एक वर्ग विषेष का होने के कारण ही उसे इस पद से नवाजा गया है जिससे कि अन्य कार्यकर्ताओं और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी भी नाराज हैं।

नियुक्ति में दिखी गुटबाजी

पिछले दिनों ही जिले की विभिन्न सहकारी समितियों में अशासकीय सदस्य के रूप में सत्तारूढ पार्टी से जुड़े लोगो की नियुक्ति की गई है,यदि जामपारा समिति को छोड़ दिया जाए तो सभी जगह ऐसे भाजपाईयों की नियुक्ति की गई है जो कि वर्तमान में भी किसी ना किसी पद पर कार्यरत हैं। पार्टी के संगठनात्मक ढांचे के पदाधिकारियों को ही दूसरा पद देकर उपकृत किया गया है सिर्फ इसलिए कि सभी पार्टी के जिलाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक का चरण वंदन करते फिरते हैं। सूत्रों का कहना है कि उक्त नियुक्ति में भी गुटबाजी की गई है यहां गुटबाजी का आलम यह है कि विधायक और जिलाध्यक्ष मिलकर दूसरे नेताओं के साथ रहने वाले कार्यकर्ताओं को दुर्भावना की नजर से देखते हैं। नीचा गिराने में कोई कसर नही छोड़ा जाता। पद देने में भी पहले यह देखा जाता है कि कौन किसका समर्थक है इस आधार पर संगठन मे भी जगह दी जाती है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि पार्टी कोरिया जिले में जिलाध्यक्ष और विधायक के कारण जबरजस्त गुटबाजी की भेंट चढ चुकी है जिस पर प्रदेष नेतृत्व की बिल्कुल नजर नही है। गुटबाजी कर पार्टी को जमीनी स्तर पर बर्बाद कर दिया गया है,प्रदेश में सत्ता होने के बावजूद गिनती के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को छोड़ दिया जाए तो शेष खुद को अभी भी विपक्षी समझ रहे हैं। बतलाया जाता है कि आलम यह हो चुका है कि विपक्षी पार्टी से आने वाले कार्यकर्ताओं को भी खासा महत्व दिया जा रहा है उनके काम बिना रोक टोक के चल रहे हैं जबकि कई भाजपाई काम के लिए तरस रहे हैं।

मुख्यमंत्री आज देंगे जिले को करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात

बहुप्रतीक्षित मांगो की कर सकते हैं घोषणाएं

-संवाददाता-
एमसीबी,08 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय 9 दिसंबर को मनेंद्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे 31 करोड़ 43 लाख रुपए के लोकार्पण और 517 करोड़ 82 लाख रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। इसके अलावा विभिन्न हितग्राही मूलक सामग्रियों के वितरण भी किए जाएंगे। मिली जानकारी के मुताबिक विभिन्न नगर पालिका, नगर पंचायत और विकासखंडों में सड़क, नाली,भवन और प्रकाश व्यवस्था जैसे प्रमुख कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा।

प्रमुख विकास कार्यों के तहत साजापहाड़ से महेन्द्र कारीमाटी तक (50 लाख रुपए), वार्ड 6 और वार्ड 37 के विभिन्न क्षेत्रों में कुल 47 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड निर्माण। हल्दीबाड़ी में ट्यूबलर पोल से प्रकाश व्यवस्था (24.27 लाख), बगनच्चा दफाई में फुटपाथ निर्माण (25.44 लाख), ग्राम केल्हारी और मनेन्द्रगढ़ में सरकारी कर्मचारियों के लिए एच टाइप भवन निर्माण पर कुल 256.72 लाख रुपए। रतनपुर से बेगापारा (209.81 लाख), बहरासी से बाहीडोल (1092.51 लाख), कुल 15 सड़कों का निर्माण प्रस्तावित। इसी तरह स्वच्छता अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र में आकांक्षीय शौचालय निर्माण पर 46.03 लाख रुपए की लागत से कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के इस दौरे में जिले के विकास के लिए और भी अहम घोषणाएं होने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं से क्षेत्र की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और नागरिकों को नई सुविधाएं मिलेंगी। जिलेवासियों ने मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर उत्साह जताया है। क्षेत्र के विकास के लिए स्वीकृत योजनाओं से जनजीवन में सकारात्मक बदलाव आने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग,क्रमांक 01 अम्बिकापुर
Main portal: https://cgprocurement.gov.in
WRD Portal:http://wrd.cgprocurement.gov.in
-:निविदा निरस्तीकरण सूचना:-
आदेश क्रमांक-3363/व.ले.लि./2024-25
अम्बिकापुर,दिनांक-02.12.2024

संभागीय कार्यालय के निविदा सूचना क्रमांक 02/व.ले.लि./2024-25 दिनांक 14.11.2024 सिस्टम नं. 161182,161183,161184,161185(प्रथम आमंत्रण) के निविदा का प्रकाशन किया गया था,जिसका जी नम्बर 242503832 दिनांक 18.11.2025 है जिसे अपरिहार्य कारणों से निविदा निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्रं 01
अम्बिकापुर
कृते-मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर (छ.ग.)
जी. नंबर-242504397/3

दया साहू पर आखिर कौन अधिकारी है मेहरबान, खबर प्रकाशन के बाद भी प्रशासन ने नही लिया संज्ञान...?

आखिर अधिकारी किस कारण कार्यवाही से बचना चाह रहे

क्या हर मामले में न्यायालय का ही लेना पड़ेगा सहारा क्योंकि कोरिया के अधिकारियों को नही पड़ता कोई असर?

लिपिक के बोझ तले अधिकारी का दबे रहना समझ से परे?

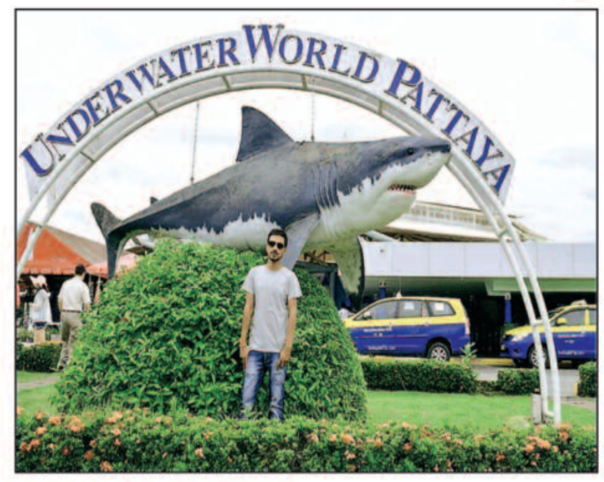

-रवि सिंह-
कोरिया,08 दिसंबर 2024
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के आदिवासी विकास विभाग में पदस्थ लिपिक दया साहू पर आखिर कौन अधिकारी मेहरबान है? कि उसे कुछ भी करने की छूट मिली हुई है, नियम को ताक पर रखकर एक लिपिक वर्गीय कर्मचारी विदेश भ्रमण कर लेता है लेकिन अधिकारी को इसकी भनक भी नही लगती, कर्मचारी ऐसे कई काम करता है जो कि सिविल सेवा नियम के एकदम विपरीत है उसके बाद भी उस पर कार्यवाही नही होना समझ से परे है। समझा जा सकता है कि उक्त् कर्मचारी पर विभागीय अधिकारी समेत जिला प्रशासन की कृपा भी बरस रही है जिससे कि उसके खिलाफ आज तक कार्यवाही नही हुई। फिलहाल कर्मचारी के हौसले बुलंद हैं और वह खुद को सुपर

साबित करते फिर रहा है। खबरे तो छ्पती है खबरों से कोई फर्क नही पड़ता ऐसा उक्त कर्मचारी का सोचना है व उसके सिपहसलार भी उसे कुछ इसी तरह की सलाह देते हैं। लेकिन लोकतंत्र के चैथे स्तंभ की आवाज में ताकत होती है देर सही लेकिन कार्यवाही होगी यह तय है। घटती घटना अखबार ने अपने अंक में कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कोरिया में पदस्थ लिपिक दया साहू द्वारा किये जा रहे सिविल सेवा आचरण संहिता के उल्लंघन को लेकर खबर का प्रकाशन किया था। सूत्रों के हवाले से प्राप्त खबरों का प्रकाशन किया गया एवं उसकी कारगुजारिया लिखी गई थी बतलाया गया था कि उसके द्वारा किस प्रकार विभागीय कर्मचारियों को परेशान किया जा रहा है। लिपिक द्वारा शासन की अनुमति के बगैर विदेश यात्रा की गई,लाखों की जमीन,मकान क्रय किया गया। आलीशान मकान का निर्माण किया गया। लंबे समय से एक ही कार्यालय में पदस्थापना के कारण उसके हाव भाव बढे हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि जिन शाखाओ का प्रभार उसे दिया गया है उसमें तो उसकी मनमानी चलती है लेकिन जिनका प्रभार नही है ऐसे शाखा के प्रभारियों को भी वह परेशान करता रहता है और उन पर पूरा नियंत्रण रखता है। विभागीय बजट से लेकर स्थापना जैसा महत्वपूर्ण कार्य उसी को सौंपा गया है जिसकी बदौलत वह खुद को विभाग का सर्वे सर्वा समझता है। छोटे कर्मचारियों से ठीक से बात ना कर उन्हे अपमानित करना उसकी आदत में शुमार है।

लाखों की संपत्ति क्रय करने का दावा

लिपिक दया साहू के बारे में विभागीय सूत्रों का दावा है कि दया साहू खुद मंहगी कार मे चलता है, इसके साथ ही उसके द्वारा खुद एवं परिजन के नाम पर कई जगह पैसा लगाया गया है। लगभग 40 लाख की लागत से मकान हाईवा वाहन में भी पैसा लगाया गया है। लाखों का जमीन क्रय किया गया है। अपने निवास स्थल सोनहत विकासखंड के ग्राम कुषमाहा में भी दया साहू के द्वारा आलिषान मकान बनवाया गया है। उसके द्वारा इसके लिए नियमानुसार विभागीय अनुमति नही ली गई है। दया साहू द्वारा आय की तुलना में काफी संपत्ति इकट्ठा करना जांच का विषय है।

छात्रावास अधीक्षकों को करता है प्रताड़ित

जिले में जितने भी छात्रावास,आश्रम हैं अधिकारी के निर्देष पर सारा काम दया साहू ही देखता है। अधिकारी के नाम पर हर माह अधिकारी के नाम पर पैसे की मांग करता है ना देने पर विभिन्न तरह से प्रताड़ित किया जाता है,कार्यवाही करने की बात कही जाती है। अधीक्षक ने कहा कि छात्रावास में गरीबी आदिवासी बच्चो के भोजन एवं अन्य सुविधा के लिए शासन द्वारा राषि जारी की जाती है लेकिन उस पर भी उसकी नजर रहती है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि कई वरिष्ठ लिपिक सेवानिवृत्त हो गए एवं कुछ अनुभवी लिपिकों का स्थानांतरण हो गया जिसके बाद से दया साहू खुद को सर्वे सर्वा समझने लगा है।

विदेश यात्रा की नही ली थी अनुमति

लिपिक दया साहू ने शासकीय सेवा में आने के बाद वर्ष 2017 में विदेश की यात्रा की थी। सूत्रों का कहना है कि विदेष यात्रा के लिए दया साहू ने नियमानुसार राज्य शासन से अनुमति नही ली थी,जो कि सिविल सेवा आचरण संहिता का खुला उल्लंघन है। इस मामले की भी जांच किये जाने की आवश्यकता है। लेकिन अधिकारी हैं कि उन्हे इससे कोई लेना देना नही।

पत्नी के नाम बीमा एजेंसी

दया साहू के द्वारा पत्नी के नाम पर बीमा का व्यवसाय भी किया जा रहा है। विभागीय सूत्रों ने बतलाया कि विभाग में कार्यरत कर्मचारियों पर ही दबाव डालकर दया साहू द्वारा जबरन बीमा किया जाता है। यह भी जांच का विषय है।

क्या खबर पर संज्ञान लेगा जिला प्रशासन या लिपिक पर बरसेगी कृपा?

घटती घटना अखबार द्वारा खबरों का प्रकाशन कर लिपिक दया साहू द्वारा किये जा रहे मनमाफिक कार्यो एवं सिविल सेवा आचरण संहिता के उल्लंघन की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाई जा रही है जाहिर सी बात है उक्त लिपिक विभागीय अधिकारी के लिए आय का जरिया बना हुआ है जिसकी वजह से विभागीय अधिकारी द्वारा लिपिक के बचाव मे कोई कार्यवाही नही की जाएगी लेकिन जिला प्रषासन से यह उम्मीद की जा सकती है कि खासकर जिले की मुखिया कलेक्टर से कि जिस प्रकार उनके द्वारा सुषासन की दिषा में जनहित के कार्य करने का प्रयास किया जा रहा है उसी प्रकार यदि लिपिक द्वारा इस प्रकार का कार्य व्यवहार किया जा रहा है तो उसके खिलाफ जांच कराकर उचित कार्यवाही कराई जाए।

चिरमिरी के बजाय महेंद्रगढ़ में स्थापित हो जिला अस्पताल:गुलाब कमरों

-संवाददाता-
कोरिया,08 दिसंबर 2024
(घटती-घटना)।

एमसीबी 08 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)। चिरमिरी में स्थापित होने वाले 200 बिस्तर के जिला अस्पताल को मनेंद्रगढ़ मुख्यालय में स्थापित करने के लिए भरतपुर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने संचालक स्वास्थ्य सेवाएं नया रायपुर को पत्र प्रेषित किया है। गुलाब कमरों ने अपने पत्र में लिखा है कि जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का जिला उद्?द्घाटन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा जिला चिकित्सालय को चिरमिरी मे खोलने का घोषणा किया गया है। जिसे निम्न कारणो से जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में खोला जाना उचित होगा।जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी भरतपुर अंतर्गत तीन विकासखण्ड भरतपुर, मनेन्द्रगढ़, जनकपुर आते है। जिसमे भरतपुर में 84 ग्राम पंचायत, मनेन्द्रगढ़ मे 72 ग्राम पंचायत, 3 नगर पंचायत, 1 नगर पालिका है, खडगवां 64 ग्राम पचायत है। मनेन्द्रगढ़ जिला मुख्यालय से 100-150 कि.मी दूरी भरतपुर की है जो कि बैगा आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। मनेन्द्रगढ़ से चिरमिरी की दूरी 20 कि.मी . है और दोनो स्थान विधानसभा मनेन्द्रगढ़ में आता है। मनेन्द्रगढ़ एन.एच. में बसा है और चिरमिरी जाने के लिए कोई सुविधा नहीं रहती है। चिरमिरी मे जिला अस्पताल भवन निर्माण से केवल चिरमिरी एव खडगवां के लोगो को सुविधा मिलेगा। बजट सत्र 2023-24 में माननीय मुख्यमंत्री छ.ग. शासन, माननीय मंत्री छ.ग शासन, परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण विभाग एवं तत्?कालिक सचिव परिवार एवं स्वास्थ्य कल्याण विभाग द्वारा समन्वय बनाते हुए सिविल अस्पताल की स्वीकृति चिरमिरी हेतु किया गया है। शासकीय अस्पताल के सुविधाओं का लाभ ज्यादातर आमजन, वैगा जनजाति, किसान, आदिवासी वर्ग के मरीजों को मिलना चाहिए, जो कि भरतपुर, मनेन्द्रगढ़ विकासखण्ड में है। नगर निगम चिरमिरी में एसईसीएल कर्मचारी एवं माईनिग के कर्मचारी निवासरत है तथा चिरमिरी में एसईसीएल का अस्पताल एव निजी अस्पताल भी है एवं सिविल अस्पताल (100 बिस्तर) का सेटप छ.ग. शासन से स्वीकृत हुआ है। यदि जिला चिकित्सालय भवन का निर्माण चिरमिरी में होता है तो मनेन्द्रगढ़, केल्हारी, फोटाडोल, भरतपुर, उप तहसील कुंवारपुर के ग्रामीणो को चिरमिरी तक जाने हेतु कोई आवागमन की सुविधा नहीं मिल पाएगी यहां के ग्रामीण सुविधा की दृष्टि से बैकुण्ठपुर जिला मुख्यालय जा कर ईलाज कराने विवश हो जायेंगे। जिससे नवीन जिले के जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधा का लाग ज्यादातर लोगो को नहीं मिल पायेगा। जिला अस्पताल का भवन निर्माण चिरगिरी में होने से केवल रिफरल सेंटर बन कर रह जायेगा क्योकि यहां के मरीज एसईसीएल अस्पताल या अपोलो जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में ईलाज कराना पसंद करते है। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ मे मेडिकल कॉलेज खोला जाना प्रस्तावित है तो प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी जिला चिकित्सालय को जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में खोलना उचित होगा। हालांकि संचालक स्वास्थ्य सेवाएं को पत्र भेजने के बाद चिरमिरी सहित इसके आसपास के लोग पूर्व विधायक की मांग का विरोध कर रहे हैं।

मैं बारहवीं पास करके अब फिर से दसवीं पढूंगा की तर्ज पर कोरबा सांसद ने नियुक्त किया अपना सांसद प्रतिनिधि

दिशा समिति की बैठक में कोरिया जिले पहुंची सांसद ने अविभाजित कोरिया जिले के लिए 4 प्रतिनिधि किए नियुक्त

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,08 दिसंबर 2024
(घटती-घटना)।

दिशा समिति की बैठक में सम्मिलित होने कोरिया जिले पहुंची कोरबा लोकसभा सांसद ज्योत्सना चरण दास महंत ने अविभाजित कोरिया जिले के लिए अपने 4 प्रतिनिधियों की नियुक्ति की है। इन नियुक्तियों में आश्चर्यजनक यह है कि सभी नियुक्तियां पूर्व विधायकों की है साथ ही एक विधायक पद के प्रत्याशी का भी नाम इस नियुक्ति में शामिल है नियुक्त सभी पूर्व विधायक और विधायक प्रत्याशी चुनाव बुरी तरह हार गए थे जिन्हें क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने नकार दिया था उन्हें ही प्रतिनिधि बनाया गया है। जिन पूर्व विधायकों को और विधायक पद के प्रत्याशी को सांसद ने अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है सभी की नियुक्तियों के बाद यह प्रश्न भी उठने लगा कि यह तो एक तरह से पदोन्नति नहीं है इसे पदावनति ही कहा जाए तो सही है वहीं यह कुछ ऐसा ही है कि कोई छात्र यह कहे 12 वीं पास करके वह 10 वीं कक्षा में ही पढ़ाई करेगा। नियुक्तियों के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं में निराशा का माहौल है वहीं इसे इस नजरिए से भी देखा जा रहा है कि यह नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत की एक नई रणनीति है प्रयोग है और वह उसके लिए जाने भी जाते हैं और उनका प्रयोग नई रणनीति यह हो सकती है कि जिन्हें भी जिन पूर्व विधायकों और विधायक पद के प्रत्याशियों को सांसद ने अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है वह आगे अब प्रत्याशी नहीं होंगे विधायक पद के या उनमें से कुछ प्रत्याशी नहीं होंगे। वैसे कार्यकर्ताओं का मन इस मामले में काफी उदास हुआ है और दबी जबान से वह यह कहते सुने जा रहे हैं कि यह नई परम्परा पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित होने वाली है और पार्टी वाले समय में इसका खामियाजा भुगतेगी। कार्यकर्ता दबी जबान में यह कहते सुने जा रहे हैं कि जिन्हें जनता ने हाल ही में बुरी तरह नकार दिया वह अब सांसद की नजर में योग्य हो गए उन्हें सांसद बड़ी जिम्मेदारी दे रही हैं। कार्यकर्ताओं का हक इस तरह खत्म किया जा रहा है नई परंपरा से कार्यकर्ताओं का मनोबल अब टूटेगा यह कहना है कार्यकर्ताओं का। वैसे कार्यकर्ताओं का कहना यह भी है कि यदि सांसद को लगता है कि लोकसभा चुनाव में उनकी जीत पूर्व विधायकों की देन है तो यह गलत है,कार्यकर्ताओं का कहना है कि लोकसभा की जीत तब सुनिश्चित हुई अविभाजित जिले में जब लोगों को यह विश्वास हुआ कि अब पूर्व विधायकों से उनका पीछा छूट चुका है और उनसे उनका अब कोई लेना देना नहीं होगा। कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति को लेकर यह भी विचार प्रकट किया कि यह नियुक्ति पूर्णतः ऐसी नियुक्ति है जिसके बाद पार्टी को आगामी चुनावों में नुकसान होना तय है। वैसे इस नियुक्ति में सबसे ज्यादा आक्रोशित बैकुंठपुर विधानसभा या कोरिया जिले के कार्यकर्ता हैं क्योंकि सबसे बड़ी हार भी बैकुंठपुर की ही कांग्रेस विधायक की हुई थी। बैकुंठपुर की पूर्व विधायक का पुनः सक्रिय होना कहीं न कहीं जिले के पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं के लिए मनोबल तोड़ने वाली खबर है और उन्हें हतोत्साहित करने वाली खबर है।

ऐसा निर्णय क्यों लिया?

कोरबा सांसद वैसे तो काफी अनुभवी नेत्री में मानी जाती है और उनके लिए गए निर्णय काफी अच्छे होते हैं, पर न जाने इस बार उन्होंने ऐसा निर्णय क्यों लिया? कि वह खुद ही आलोचना की शिकार हुई साथ ही अपने पूर्व विधायकों को भी आलोचना के जाल में फंसा दिया। कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत काफी अच्छी नेत्री मानी जाती है उनके पास निर्णय लेने की क्षमता बहुत अधिक व अच्छी है और उनके निर्णय कई बार अच्छे भी साबित हुए हैं, पर इस बार लिया गया निर्णय उनके लिए सहित जिन्हें उन्होंने सांसद प्रतिनिधि चुना उनके लिए भी घातक हो गया है, सोशल मीडिया में जहां सत्ता पक्ष के छूट भैया नेता हावी हो गए हैं तो वहीं तमाम तरह से लोग इस फैसले को गलत बताने में नहीं झिझक रहे। अब सवाल यह उठता है कि जिन्हें सांसद प्रतिनिधि बनाया गया है उनकी मनसा के अनुरूप बनाया गया है या फिर अपनी मनसा थोपी गई है तमाम तरीके से यह सवाल अब उठ रहे हैं कई लोगों का कहना है कि जिन्हें बनाया गया उन्हें खुद पता नहीं था और अचानक उन्हें विधायक प्रतिनिधि का आदेश थमा दिया गया, पर वही कुछ का कहना है कि उनके मनसा के तहत ही इन्हें बनाया गया है क्योंकि कोई भी अधिकारी उनकी सुन नहीं रहा था जिस वजह से यह निर्णय लिया गया और उस आदेश में यह भी लिखा गया है कि संसद की अनुपस्थिति में इन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए।

क्या इतने बड़े क्षेत्र का दौरा नहीं कर पा रही सांसद इसलिए उन्हें सांसद प्रतिनिधि चुनना पड़ा?

वैसे सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या सांसद ने यह निर्णय इसलिए लिया है क्योंकि वह बड़े क्षेत्र में दौरा नहीं कर पा रही हैं। सांसद ने अपना प्रतिनिधि बड़े क्षेत्र में इसलिए बनाया जिससे उन्हें हर जगह न जाना पड़े क्षेत्र में यह भी लोग कहते सुने जा रहे हैं। वैसे सांसद का निर्णय बड़े क्षेत्र की वजह से ऐसा है तो फिर कुछ हद तक सही है क्योंकि जब कभी वह किसी बैठक में उपस्थित हो पाने में बिलकुल सक्षम न पाएं किसी कारणवश तब उनका प्रतिनिधि शामिल हो जाए बैठक में। अब बात कुछ भी हो लेकिन यह नया पैंतरा ही माना जा रहा है सांसद का।

क्या पूर्व विधायक कि नहीं सुन रहा कोई इस वजह से उन्हें प्रतिनिधि नियुक्त किया गया?

क्या पूर्व विधायकों को लेकर प्रशासन का रुख सही नहीं है क्या उनकी प्रशासन नहीं सुन रहा है इसलिए पूर्व विधायकों को प्रतिनिधि बनाया गया है सांसद द्वारा।यदि ऐसा भी है तब भी सही है। वैसे पूर्व विधायकों की प्रशासन यदि नहीं सुन रहा और वह प्रतिनिधि सांसद का बनकर ही अपनी सुनवाई करवा पाएंगे तो ऐसे में यह भी कहना गलत नहीं होगा कि फिर उनकी प्रशासन से कार्य करा पाने की क्षमता या अपनी सुनवाई या विरोध दर्ज करने की क्षमता पर भी प्रश्न चिन्ह है।

क्या घोड़े पर बैठने वाले को गधा पर बैठाया गया?

वैसे पूरा मामला घोड़े से उतरकर गधे पर बैठने वाला है। अब देखना है कि अब कार्यकर्ताओं का हक लूटकर पूर्व विधायक क्या ऐसा कर पाते हैं जिससे पार्टी को फायदा होता है। वैसे अपने कार्यकाल में पूर्व विधायकों ने कुछ भी अच्छा किया होता इतनी बड़ी हार नही होती।

एडिलेड टेस्ट:ऑस्ट्रेलिया 10 विकेट से टेस्ट मैच जीता

» सीरीज 1-1 से बराबर...

» भारत ने 19 रन का टारगेट दिया था...

» ट्रैविस हेड प्लेयर ऑफ द मैच...

एडिलेड,08 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के एडिलेड टेस्ट में भारत को 10 विकेट से हरा दिया है। होस्ट टीम ने 19 रन का टारगेट बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं। भारत ने पर्थ टेस्ट 295 रन से जीता था। सीरीज का तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेला जाएगा।

एडिलेड के ओवल मैदान पर रविवार को भारत दूसरी पारी में 175 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने 128/5 के स्कोर से दिन की शुरुआत की और आखिरी 5 विकेट 47 रन बनाने में गंवा दिए। ऋषभ पंत आज कोई रन नहीं बना सके और 28 रन पर आउट हो गए। नीतीश रेड्डी ने 15 रन से खेला

शुरू किया और 42 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस ने 5 विकेट झटके। स्कॉट बोलैंड को 3 और मिचेल स्टार्क को 2 विकेट मिले। स्टार्क ने पहली पारी में 6 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 337 रन पर ऑलआउट हुई थी। ट्रैविस हेड (140 रन) ने सेंचुरी लगाई। भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, लेकिन टीम 180 रन ही बना सकी थी।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रविचंद्रन अश्विन, हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह (उप-कप्तान) और मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलिया: पैट कमिंस (कप्तान), नाथन मैकस्वीनी, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और स्कॉट बोलैंड।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर आया भारत

इस हार के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टीम इंडिया के 57.29 प्रतिशत पॉइंट्स हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 60.71 प्रतिशत पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर है। साउथ अफ्रीका 59.26 प्रतिशत लेकर दूसरे स्थान पर है।

हरमनप्रीत कौर ने कहा- गेंदबाजी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है

ब्रिस्बेन,08 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 122 रनों से करारी हार झेलने और सीरीज गंवाने के बाद भारतीय कप्तान

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम को अपनी गेंदबाजी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है। एलन बॉर्डर फील्ड पर धूप खिली रही, लेकिन भारत की गेंदबाजी योजनाएं पूरी तरह से बेकार साबित हुईं और ऑस्ट्रेलिया ने 371/8 का विशाल स्कोर बनाया। यह महिला वनडे में भारत द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है, जो 338/7 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ता है, जो ऑस्ट्रेलिया ने इस साल की शुरुआत में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बनाया था।

क्रिस्टल पैलेस ने मैनचेस्टर सिटी को बराबरी पर रोका

मैनचेस्टर यूनाइटेड को नॉटिंघम फॉरेस्ट ने हराया

लंदन,08 दिसम्बर 2024। क्रिस्टल पैलेस ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में मैनचेस्टर सिटी को 2-2 की बराबरी पर रोक दिया जिससे चार बार की गत चैम्पियन के लिए खिताब का बचाव करना मुश्किल होगा। नॉटिंघम फॉरेस्ट ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 3-2 से हराकर उलटफेर किया। सिटी ने बुधवार को नॉटिंघम फॉरेस्ट को हराकर सात मैचों के बाद पहली जीत दर्ज की थी लेकिन इस ड्रॉ मुकाबले के साथ उसे अंक साझा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सिटी की टीम मैच में दो बार पिछड़ रही थी लेकिन एर्लिंग हालैंड और रिको लुइस के गोल से टीम वापसी करने में सफल रही। क्रिस्टल पैलेस के लिए डेनियल मुनोज और मेक्सेंस लेकरोइक्स ने गोल किये।

इस ड्रॉ मैच के बाद पेप गार्डियोला की टीम तालिका में चौथे स्थान पर है और शीर्ष पर काबिज लिवरपूल से आठ अंक पीछे हैं। एस्टोन विला ने अंतिम स्थान पर मौजूद साउथेम्प्टन को 1-0 से हराया जबकि ब्रेंटफोर्ड ने न्यूकैसल के खिलाफ 4-2 से जीत हासिल की। मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ फॉरेस्ट ने दूसरे मिनट में निकोला मिलेनकोविच के हेडर से बढ़त बनाई लेकिन रासमस होजलुंड ने यूनाइटेड के लिए बराबरी का गोल दाग दिया। मार्गन गिब्स व्हाइट और क्रिस वुड ने दूसरे हाफ में सात मिनट के अंदर दो गोल कर फॉरेस्ट को 3-1 से आगे कर दिया। ब्रूनो फर्नांडिस ने 61वें मिनट में गोल कर घरेलू टीम की वापसी करायी लेकिन यह मैच का अंतिम गोल साबित हुआ।

अफरीदी ने पीसीबी से भारत दौरे पर कड़ा रुख अपनाने का आग्रह किया

इस्लामाबाद,08 दिसम्बर 2024। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने पीसीबी को सलाह दी है कि वह आईसीसी टूर्नामेंट सहित किसी भी क्रिकेट आयोजन के लिए राष्ट्रीय टीम को भारत न भेजे, जब तक कि भारत अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने के लिए सहमत न हो जाए। कराची आर्ट काउंसिल में उर्दू सम्मेलन में बोलते हुए अफरीदी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भारत के साथ क्रिकेट संबंधों पर दृढ़ रुख अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि पाकिस्तान को मजबूत निर्णय लेने के लिए आत्मनिर्भर बनना चाहिए, खासकर चैंपियंस ट्रॉफी जैसे आईसीसी आयोजनों में भागीदारी के संबंध में। उन्होंने कहा, पाकिस्तान क्रिकेट को मजबूत और आत्मनिर्भर होना चाहिए तथा उसे मजबूत सैद्धांतिक निर्णय लेने

चाहिए। यदि भारत पाकिस्तान में आकर नहीं खेल सकता है, तो हमारे लिए भारत में जाकर कोई भी कार्यक्रम खेलने का कोई कारण नहीं है। चैंपियंस ट्रॉफी अगले वर्ष जनवरी से मार्च के बीच पाकिस्तान में होनी है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है तथा इसके बजाय टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में खेलने की मांग की है, जिससे उसे अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलने की अनुमति मिल जाएगी।

मैं दबंग दिल्ली केसी को एक बार फिर चैंपियन बनाना चाहता हूं,आशु मलिक ने कहा

पुणे,08 दिसम्बर 2024। हर दिग्गज की शुरुआत होती है, चाहे वह क्रिकेट के मैदान पर हो, फुटबॉल के मैदान पर हो या कबड्डी के मैदान पर। आशु मलिक के लिए, यह कहानी स्कूल के मैदानों और स्थानीय टूर्नामेंटों में सामने आई, जहां एक युवा लड़के की अटूट भावना धीरे-धीरे उसके परिवार, उसके समुदाय और अंततः कबड्डी की दुनिया की उम्मीदों को नया आकार देती है। पहले, गाँव में बहुत से वरिष्ठ खिलाड़ी थे जो रेलवे में काम करते थे, और वे मेरे निजी स्कूल के मैदान पर खेला करते थे। उन्हें खेलते हुए देखकर, मुझे खेल में दिलचस्पी हो गई, आशु ने 'राइज़ ऑफ़ ए स्टार' वीडियो में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा। उनका जुनून स्थानीय खिलाड़ियों को देखने, उनकी चालों को देखने और धीरे-धीरे खेल के प्रति प्यार से शुरू हुआ।

यह रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं था। उनके परिवार ने शुरू में उनकी खेल संबंधी आकांक्षाओं का विरोध किया। उन्होंने याद करते हुए कहा, मेरा परिवार मुझसे पढ़ाई पर

ध्यान केंद्रित करने के लिए कहता था। पहले 3-4 साल तक वे मेरा साथ नहीं देते थे। मैं अक्सर टूर्नामेंट में जाकर अपने परिवार को नाराज़ कर देता था। लेकिन आशु का दृढ़ निश्चय अटूट था। उन्होंने दृढ़ विश्वास के साथ कहा, मैं दबंग दिल्ली के.सी. पीकेएल को एक बार फिर चैंपियन बनाना चाहता हूं। यही एकमात्र ध्यान उनकी प्रेरणा शक्ति बन गया। उन्हें व्यक्तिगत त्याग के साथ सफलता मिली। उन्होंने बताया, मेरा वजन लगभग 80 किलो था, और मैंने पांच किलो वजन कम किया। उन्होंने अनुशासन दिखाया जो उनके करियर को परिभाषित करेगा। प्रो कबड्डी लीग में शामिल होना एक परिवर्तनकारी क्षण था। शुरू में अनिश्चित होने के बाद उन्होंने धीरे-धीरे अपनी जगह बनाई। उन्होंने स्वीकार किया, शुरू में, मैं कुछ दिनों तक चुप रहा, यह नहीं जानता था कि चीजें कैसे काम करती हैं। लेकिन जल्द ही, वह टीम का एक अभिन्न अंग बन गया, खासकर चुनौतीपूर्ण समय के दौरान। जब नवीन कुमार पीकेएल 10 में घायल हो गए, तो आशु का नेतृत्व चमक उठा। उन्होंने कहा, हमने किसी का मनोबल गिरने नहीं दिया। मैंने टीम से कहा, अगर वह नहीं खेल रहा है, तो क्या हुआ? हम जीतेंगे और उसकी कमी को पूरा करेंगे।

रोहित शर्मा ने कहा-शमी के खेलने के लिए दरवाजे पूरी तरह खुले हैं

एडिलेड,08 दिसम्बर 2024। एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से दस विकेट से मिली हार के बाद, कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के लिए ऑस्ट्रेलिया में टीम में शामिल होने के लिए दरवाजे पूरी तरह खुले हैं। लेकिन साथ ही, रोहित ने दोहराया कि टीम शमी की मैच फिटनेस का आकलन करने में सावधानी बरत रही है। शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 वनडे विश्व कप फाइनल के बाद भारत के लिए नहीं खेला है, क्योंकि उन्हें इस साल फरवरी में अकिलीज़ की चोट की सर्जरी करानी पड़ी थी। अपनी लंबी रिकवरी प्रक्रिया के दौरान कुछ असफलताओं का सामना करने के बाद, शमी ने इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के पांचवें दौर के मैच में बंगाल के लिए अपनी प्रतिस्पर्धी वापसी की, जहां उन्होंने अपनी टीम की जीत में सात विकेट लिए।

बेंगलुरु एफसी ने केरला ब्लास्टर्स पर 4-2 से जीत दर्ज की

मुंबई,08 दिसम्बर 2024। दिग्गज सुनील छेत्री ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। वह लीग के इतिहास में हैट्रिक बनाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने बेंगलुरु एफसी को केरला ब्लास्टर्स पर 4-2 से जीत दिलाई।

40 साल और 126 दिन की उम्र में छेत्री आईएसएल के इतिहास में सबसे उम्रदराज हैट्रिक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने बार्थोलोम्यू ओगबेचे को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने जनवरी 2023 में एफसी गोवा के खिलाफ हैदराबाद एफसी के लिए 38 साल और 96 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था। इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने वाले पूर्व भारतीय कप्तान ने 8वें, 73वें और 90+8 मिनट में गोल किए, जबकि रयान विलियम्स ने 38वें मिनट में ब्लूज़ के लिए दूसरा गोल किया। केरला ब्लास्टर्स के लिए जीसस जिमेनेज (56वें) और फ्रेडी लाललाव मावमा (67वें) गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। बेंगलुरु एफसी ने सीमित अवसरों को भुनाने में शानदार प्रदर्शन किया, क्योंकि उनके पांच में से चार शॉट लक्ष्य पर लगे और गोल हुए। खेल के पहले हाफ में ब्लूज को 2-0 की बढ़त दिलाने में छेत्री और विलियम्स की जोड़ी ने अहम भूमिका निभाई।

अर्जुन उस्तरा में शाहिद कपूर संग बनी तृप्ति डिमरी की जोड़ी

भाभी 2 संग रोमांस करेंगे कबीर सिंह

तृप्ति डिमरी पहली बार शाहिद कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के लिए तैयार हैं. एनिमल एक्ट्रेस विशाल भारद्वाज की आगामी फिल्म अर्जुन उस्तरा में शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी. वह फिल्म में लीड

एक्ट्रेस की भूमिका निभाएंगी.तृप्ति डिमरी और शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म अर्जुन उस्तरा के बारे में कुछ खास जानकारी नहीं मिली है. लेकिन, एनिमल की भाभी-2 और कबीर सिंह को एक साथ देखना दिलचस्प होगा, क्योंकि दोनों पहली बार किसी प्रोजेक्ट के लिए एक साथ आ रहे हैं.रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम पहले से ही चल रहा है. बहुप्रतीक्षित फिल्म 6 जनवरी 2025 को फ्लोर पर आने वाली है. वहीं, शूटिंग शेड्यूल के प्लान के साथ, मेकर्स जल्द ही इस प्रोजेक्ट को पूरा करना चाहते है, क्योंकि वे 2025 में ही अर्जुन उस्तरा को सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान कर रहे हैं.तृप्ति डिमरी को हाल ही में रिलीज हुई कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया. फिल्म की शानदार सफलता के बाद वह अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म धड़क 2 पर काम कर रही हैं. फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसमें उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे.धर्मा प्रोडक्शंस की निर्मित यह फिल्म 2018 की हिट धड़क की बहुप्रतीक्षित सीक्वल है, जिसमें जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर ने डेब्यू किया था. ओरिजिनल फिल्म मराठी फिल्म सैराट की रीमेक थी.इस साल मई में करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए धड़क के सीक्वल की पुष्टि की थी. उन्होंने पोस्ट के जरिए धड़क 2 की रिलीज के बारे में बताया था. शाजिया इकबाल की निर्देशित, यह फिल्म पहले 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में आने वाली थी. हालांकि, अब इसे अगले साल के लिए पोस्टपोन कर दिया गया है.

समुंद्र के किनारे मोनालिसा ने दिखाईं कातिल अदाएं

एक्ट्रेस की हॉटनेस देख फैंस का मचला दिल

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड और स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही छाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस का दिल मचल गया है।एक्ट्रेस मोनालिसा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग और बोल्डनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं।

इन फोटोज में उनका कातिल अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा समुंद्र के किनारे बेहद ही किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर पोस्ट होते ही वायरल हो गया है।मोनालिसा समुंद्र ने व्हाइट कलर का कोर्ड सेट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। ये ही नहीं वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो भी करते हैं।

जन्मदिन विशेष

सुपरस्टार धर्मेंद्र का वो गोल्डन साल जब एक या दो नहीं दी थीं 7 लगातार हिट

चलाया था बॉक्स ऑफिस पर अपना सिक्का

बॉक्स ऑफिस पर राजेश खन्ना और दिलीप कुमार का एक समय था, जब उन्होंने लगातार हिट फिल्में देकर अपना स्टारडम हासिल किया। फिर समय आया अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना, फिरोज खान और धर्मेंद्र जैसे सुपरस्टार्स का वक्त,जब उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर राज किया और कई हफ्तों तक फिल्मों को सिनेमाघरों से उतरने नहीं दिया। लेकिन एक इस दशक में दो ऐसे सुपरस्टार्स थे,जो आज भी फैंस के दिलों पर राज करते हैं और वह हैं बिग बी और हीमैन। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुपरस्टार धर्मेंद्र का एक गोल्डन पीरियड था जब उन्होंने 12 फिल्में एक साल में दीं, जिनमें से लगातार 7 फिल्में हिट साबित हुई और उनका करियर ऊंचाइयों पर पहुंच गया।

यह साल था 1987। जब इंसानियत के दुश्मन,लोहा, हुकूमत,आग ही आग, मेरा करम मेरा धरम, वतन के रखवाले,मर्द की जबां, इंसाफ की पुकार,दादागिरी,जान हथेली पे, मिट जाएंगे मिटाने वाले और सुपरमैन रिलीज हुई। इस साल में धर्मेंद्र ने 12 फिल्मों में काम किया, जिसमें से 7 लगातार हिट दीं।

इसमें इंसानियत के दुश्मन, लोहा, हुकूमत, आग ही आग, वतन के रखवाले, मर्द की जबां, जान हथेली पे और दादागिरी बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई। वहीं इसमें से एक्शन पैक ड्रामा हुकूमत,जिसे डायरेक्टर अनिल शर्मा ने डायरेक्ट किया था। उसने ज्यादा लाइमलाइट हासिल की। वहीं फिल्म में धर्मेंद्र और रति अग्निहोत्री की जोड़ी को काफी पसंद किया गया। जबकि तमिल में इस फिल्म का रिमेक भी बना, जिसका नाम पुथिया वानम था।

सुपरस्टार धर्मेंद्र 89 साल के हो गए हैं। वहीं एक्टिंग की दुनिया में अभी भी काम कर रहे हैं। उनकी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी काफी हिट हुई है। वहीं कुछ अन्य फिल्मों की शूटिंग भी करते हुए नजर आ रहे हैं। जबकि अब तक उनके करियर की 300 से ज्यादा फिल्में हो चुकी हैं और वह इंडस्ट्री में कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के कारण फैंस के दिलों की जान हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)